प्रयागराज, रविवार 01 नवम्बर 2026 से 07 नवम्बर 2026 तक
वर्ष-13 , अंक-44
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

अमेरिकी नाकेबंदी को चकमा देकर ईरान ने आर्मी एमिनेशन खरीदा,रिपोर्ट-चीन-रूस से मंगवाए मिसाइलों के पुर्जे

तेहरान। अमेरिका ने ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। समुद्र में अमेरिकी नाकेबंदी के चलते उसके लिए दूसरे देशों से सैन्य सामान मंगाना भी मुश्किल है। इसके बावजूद ईरान ने हथियारों की सप्लाई जारी रखी। रॉयटर्स की एक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने 5000 से ज्यादा फर्जी सरकारी एजेंसियों का नेटवर्क बनाया। इनके जरिए चीन, रूस और दूसरे देशों से मिसाइलों के पुर्जे, विस्फोटक, रॉकेट का ईंधन बनाने वाले केमिकल और भारी ट्रक खरीदे गए। जनवरी 2025 से जून 2026 के बीच इस नेटवर्क के जरिए करीब 2 लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदा गया। यह पूरा नेटवर्क ईरान के रक्षा मंत्रालय और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आई.आर.जी.सी) से जुड़ा है। इस नेटवर्क के जरिए ईरान तेल बेचकर मिलने वाले पैसों से सैन्य सामान खरीदता था। इसके लिए बिचौलियों और विदेशों में बनी फर्जी कंपनियों की मदद ली जाती थी। जांच रिपोर्ट में पता चला कि यह तरीका 2016 से इस्तेमाल हो रहा था। एजेंसियों के नाम में छिपा था नेटवर्क का राज:- रॉयटर्स ने इजराइल-अमेरिका की रिस्क कंसल्टेंसी '240 एनालिटिक्स' के साथ मिलकर इस नेटवर्क की जांच की। इसमें पता चला कि इन एजेंसियों



के नाम एमओडी से शुरू होते थे और आगे 5 या 6 अंकों का नंबर होता था।इनके दस्तावेजों में ईरान के रक्षा मंत्रालय का तेहरान वाला पता और बनने की तारीख 11 फरवरी 1979 दर्ज थी। इसी दिन अयातुल्ला खुमैनी ने ईरान की सत्ता संभाली थी। हालांकि, रिकॉर्ड के मुताबिक ज्यादातर एजेंसियां 2013 में बनाई गई थीं। उस समय अमेरिकी प्रतिबंधों से ईरान का तेल कारोबार प्रभावित हो रहा था। इन एजेंसियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए बिचौलियों और विदेशों में फर्जी कंपनियों का सहारा लिया। इन्हें ट्रस्टी कहा जाता है। ये लोग तेल बेचकर मिले पैसों से सैन्य सामान खरीदते थे। रॉयटर्स ने जिन सौदों की जांच की, उनमें 97फीसदी खरीदारी बिना सीधे पैसे भेजे हुई थी। यानी एक देश से दूसरे देश में रकम ट्रांसफर करने की जरूरत नहीं पड़ी। इससे अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम की नजर से बचना आसान हो गया। स नेटवर्क का पता जून 2025 में '240 एनालिटिक्स' के अर्थशास्त्री नोआम बिनस्टॉक को चला। वह बैंक सेपाह के लीक हुए दस्तावेजों की जांच कर रहे थे। यह बैंक आई.आर.जी.सी के कर्मचारियों को वेतन भी देता है। ये दस्तावेज टेलीग्राम और विकीईरान वेबसाइट पर सामने आए थे। इन दस्तावेजों के मुताबिक, दिसंबर 2024 के आखिर में 36 एजेंसियों के पास करीब 1.2 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा थी। बाकी एजेंसियों के पास करीब 1.8 अरब डॉलर के बराबर ईरानी मुद्रा थी। जांच में पता चला कि ये एजेंसियां तेल से होने वाली कमाई हासिल कर रही थीं और उससे ऐसे सामान खरीद रही थीं, जिनका इस्तेमाल हथियार बनाने में भी हो सकता है। हर एजेंसी का 11 अंकों का अलग पहचान नंबर था। यही नंबर शिपिंग दस्तावेजों, बिलों और बैंक खातों में भी दर्ज था। इससे फर्जी कंपनियों के पीछे छिपे इस पूरे नेटवर्क का पता लगाना संभव हुआ। इन सीक्रेट एजेंसियों ने क्या-क्या खरीदा? एमओडी 346428 नाम की एक एजेंसी ने जनवरी 2025 से जून 2026 के बीच 2.3 अरब डॉलर का सामान खरीदा। इसमें रॉकेट ईंधन बनाने वाले केमिकल, विस्फोटक और हथियारों के पुर्जे शामिल थे। जनवरी से अप्रैल 2025 के बीच इसने चीन से 886 टन सोडियम क्लोरेट और परक्लोरेट जैसे केमिकल मंगाए। इनका इस्तेमाल ठोस ईंधन वाले रॉकेट बनाने में होता है।

हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर मिसाइल दागीं,सऊदी पर भी ड्रोन अटैक

सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को अदन में राष्ट्रपति भवन पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि मिसाइलें अपने निशाने पर लगीं या नहीं। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन की ओर एंबुलेंस जाते हुए देखी गईं। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। हालांकि, उन्होंने हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की जानकारी नहीं दी।राष्ट्रपति भवन पर 15 दिन में यह दूसरा हमला है। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुए हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के मदीना इलाके की ओर भी ड्रोन भेजा था। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने इसे हवा में ही मार गिराया। अदन यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का प्रमुख केंद्र है। हूती विद्रोहियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद सरकार को सना छोड़ना पड़ा था। जुलाई से अदन में हमले फिर बढ़े हैं। इससे पहले 28 अक्टूबर को



भी हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट को निशाना बनाया था। हमले से पहले हूतियों ने लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। यह एयरपोर्ट दक्षिणी यमन में राहत सामग्री और मानवीय मदद पहुंचाने का अहम रास्ता है। सऊदी का मक्का और मदीना में ड्रोन रोकने का दावा:- सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने शुक्रवार को मदीना के ऊपर एक ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इससे पहले गठबंधन मक्का में भी एक ड्रोन को नष्ट करने का दावा कर चुका है। मक्का में ग्रैंड मस्जिद और काबा हैं, जबकि मदीना में पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद है। दोनों शहर मुसलमानों के सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों में शामिल हैं। सऊदी अरब ने अक्टूबर में हूती विद्रोहियों पर मदीना के बिजली वितरण केंद्र पर हमला करने का आरोप लगाया था। यह केंद्र पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद को बिजली की आपूर्ति करता है। हालांकि, हूतियों ने इस आरोप को खारिज कर दिया था।हूती मक्का और मदीना को निशाना बनाने से इनकार करते हैं। उनका कहना है कि वे सऊदी अरब के सैन्य और तेल से जुड़े ठिकानों पर हमले करते हैं।

सऊदी अरब के समर्थन से लड़ रही यमन की सरकार:-यमन में हूती विद्रोहियों और सरकार के बीच लंबे समय से संघर्ष जारी है। सऊदी अरब यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता है। वह हूतियों के खिलाफ लड़ रही सरकारी सेना को हवाई मदद भी देता है। वहीं, ईरान पर हूतियों को समर्थन देने के आरोप लगते रहे हैं। राष्ट्रपति भवन परिसर पर हमले के बाद यमन में संघर्ष और तेज होने की आशंका है। हूतियों ने कहा है कि उन्होंने सऊदी सैन्य अभियान से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया था।

अमेरिका यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचेगा,यूरोप-कनाडा उठाएंगे पूरा खर्च-जेलेंस्की ने हर महीने 100 मिसाइलें मांगीं

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचने की मंजूरी दे दी है। इस डील की कीमत करीब 19 हजार करोड़ रुपए है। इसका पूरा खर्च यूरोपीय देश और कनाडा उठाएंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमलों से बचाव के लिए हर महीने 100 मिसाइलें देने की मांग की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को इस संभावित सौदे को मंजूरी दी। इसके तहत यूक्रेन को पैट्रियट का सबसे आधुनिक वर्जन पीएसी-3 एमएसई मिसाइलें मिलेंगी। ये मिसाइलें हवा में ही दुश्मन की बैलिस्टिक



मिसाइलों को नष्ट कर सकती हैं। जेलेंस्की ने जल्द मिसाइलें पहुंचाने की अपील की:-राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिका की मंजूरी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा शर्तों के मुताबिक इनकी सप्लाई शुरू होने में कई साल लग सकते हैं। उन्होंने अमेरिका से जल्द मिसाइलें देने का रास्ता निकालने की अपील की। एक्स पर पोस्ट करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि 500 मिसाइलें सर्दियों में यूक्रेन की हवाई सुरक्षा के लिए काफी मददगार हो सकती हैं। लेकिन रूस के हमलों का खतरा अभी है, इसलिए इनकी जरूरत भी अभी है। जेलेंस्की बोले- रूस ने 2 हफ्तों में 30 हमले किए:-राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि अक्टूबर के पिछले दो हफ्तों में रूस ने यूक्रेन के अहम ठिकानों पर 30 से ज्यादा हमले किए हैं। उनके मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति पुतिन सर्दियों से पहले यूक्रेन की जरूरी सेवाओं को ठप करना चाहते हैं। रूस बिजली, घरों को गर्म रखने की व्यवस्था, पानी की सप्लाई और पुलों को निशाना बना रहा है। जेलेंस्की ने सुझाव दिया कि अमेरिका, यूरोपीय देश और दूसरे सहयोगी अपने पास मौजूद मिसाइलों के भंडार से यूक्रेन को तुरंत मदद दें। बाद में नई मिसाइलों का उत्पादन करके उनके भंडार की भरपाई की जा सकती है। इससे 2026-27 की सर्दियों में यूक्रेन को जरूरी सुरक्षा मिल सकेगी। यूक्रेन के पास पैट्रियट मिसाइलों का स्टॉक खत्म:-यूक्रेन के सामने मिसाइलों की कमी बड़ी चुनौती है। जेलेंस्की ने इसी हफ्ते बताया था कि कीव करीब एक महीने से अमेरिका की मंजूरी का इंतजार कर रहा था। इन मिसाइलों का इस्तेमाल पैट्रियट और 'नासमस' एयर डिफेंस सिस्टम में होना है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस महीने की शुरुआत में यूक्रेन के पास पैट्रियट मिसाइलों का मौजूदा स्टॉक पूरी तरह खत्म हो गया था। जेलेंस्की ने बताया था कि इस साल अमेरिका से यूक्रेन को हर महीने औसतन सिर्फ 12 पैट्रियट मिसाइलें मिलीं, जबकि रूसी हमलों से बचने के लिए हर महीने करीब 150 बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकना पड़ता है। यूरोप यूक्रेन की मदद क्यों कर रहा? यूरोपीय देशों और कनाडा की यूक्रेन को मदद देने की सबसे बड़ी वजह रूस का हमला और अपनी सुरक्षा की चिंता है। यूरोपीय संघ (ईयू) का मानना है कि रूस को यूक्रेन में आगे बढ़ने से रोकना पूरे यूरोप की सुरक्षा के लिए जरूरी है। अगर यूक्रेन कमजोर पड़ता है, तो रूस का खतरा यूरोप के दूसरे देशों तक भी पहुंच सकता है।आगे की खबर पेज संख्या 05 पर...

मोसाद करेगी इजराइल के आम चुनाव की जांच,विदेशी दखल का आरोप

चुनाव आयोग बोला- इससे नतीजों पर कोई असर नहीं हुआ

तेल अवीव। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद इस हफ्ते हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच करेगी। न्यूज चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जांच में आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट भी शामिल होगी। आरोप है कि कतर और कुछ दूसरे देशों ने मंगलवार को हुए चुनाव में अरब वोटर्स को पैसे देकर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने की कोशिश की। इस चुनाव में अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिली हैं। यह इतिहास में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पार्टी के नेताओं ने भी अरब पार्टियों पर चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। इजराइल के केंद्रीय चुनाव आयोग ने साफ किया है कि जांच का दायरा सीमित है। आयोग के मुताबिक, इस मामले से चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ा है और न ही नतीजों पर सवाल उठता है। इजराइल में आज कई शहरों में यहूदी और अरब पार्टियों को मिलाकर सरकार बनाने के समर्थन में प्रदर्शन होंगे। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, स्टैंडिंग टुगेदर ग्रुप ने शाम 7:30 बजे तेल अवीव के हबीमा स्क्वायर, यरूशलम के पेरिस स्क्वायर, बीरशेबा, हाइफा और तायबे में प्रदर्शन आयोजित करने की घोषणा की है। इजराइल की यिस्राइल बेतेनु पार्टी के चीफ एविगडोर लिबरमैन ने साफ कहा है



कि उनकी पार्टी ऐसी किसी सरकार में शामिल नहीं होगी, जिसमें उनके मुताबिक आतंकवाद का समर्थन करने वाले लोग हों। लिबरमैन ने शुक्रवार को फेसबुक पर पोस्ट कर कई अरब और वामपंथी नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आतंकियों का समर्थन करने वालों को इसकी कीमत चुकानी चाहिए। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बेटे यायर नेतन्याहू ने इजराइल के अरब नागरिकों को देश के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बाद इजराइली अरब नागरिक देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। द यरूशलम पोस्ट के मुताबिक, यायर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चुनाव नतीजों को लेकर यह बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि वेस्ट बैंक और गाजा के फिलिस्तीनियों, तुर्किये और पश्चिमी देशों में बढ़ते यहूदी-विरोध से भी बड़ा खतरा इजराइल के अरब नागरिकों से है। यायर ने लिखा कि इजराइल लंबे समय तक ऐसे हालात में नहीं टिक सकता, जहां उसकी 20इ आबादी उसके दुश्मनों का समर्थन करती हो और देश का विनाश चाहती हो। इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी दल यूनाइटेड टोरा जूडिज्म ने विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया है। पार्टी को चुनाव में 7 सीटें मिली हैं। चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी ने समर्थन के बदले हरेदी समुदाय के लोगों को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने की मांग की है। इजराइल में आमतौर पर नागरिकों के लिए सेना में सेवा देना अनिवार्य है। हालांकि, हरेदी समुदाय के धार्मिक छात्रों को अब तक इससे बड़े स्तर पर छूट मिलती रही है।

होर्मुज में 27 भारतीयों वाले जहाज पर हमला,एक महीने में भारतीय क्रू वाले जहाजों पर पांचवां हमला

तेहरान। होर्मुज में शुक्रवार को 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर एमटी लुईस 1 पर हमला हुआ। पनामा के झंडे वाले इस टैंकर



पर दो लिम्पेट माइंस लगाई गई थीं। धमाके की वजह से इंजन रूम में आग लग गई और जहाज कुछ समय के लिए बंद हो गया। लेकिन क्रू ने आग बुझा दी। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि सभी नाविक सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं लगी है। रॉयटर्स के मुताबिक, फरवरी में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद होर्मुज में पहली बार लिम्पेट माइंस से हमला हुआ है। ब्रिटिश समुद्री एजेंसी यूके एमटीओ के मुताबिक, जहाज पर हमला ओमान के खासाब शहर से करीब 46 किलोमीटर दूर हुआ। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से 27 अक्टूबर तक होर्मुज और उसके आसपास 120 समुद्री घटनाएं हुईं। इनमें व्यापारिक जहाजों पर हमले भी शामिल हैं। अमेरिकी चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमले की तैयारी:-अमेरिका और इजराइल 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमला कर सकते हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देश तेज सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं। इसमें ईरान के तेल-गैस ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों-ड्रोन के ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने मिडिल ईस्ट में अपनी तैयारी बढ़ा दी है। कुछ संवेदनशील ठिकानों से सैनिकों को हटाया जा रहा है और हथियारों का भंडार बढ़ाया जा रहा है। इजराइल की सुरक्षा के लिए पैट्रियट मिसाइल सिस्टम भी भेजा जा रहा है। यह सिस्टम दुश्मन की मिसाइलों और लड़ाकू विमानों को हवा में ही मार गिराता है। हालांकि, ट्रम्प ने अभी हमले का अंतिम फैसला नहीं लिया है। अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत की कोशिशें भी जारी:-ईरान ने गुरुवार को बताया कि उसे अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का एक लेटर मिला है, लेकिन उसने अभी तक जवाब नहीं दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देशों के बीच शांति वार्ता फिर शुरू करने की कोशिश की गई थी। ईरान ने अमेरिका से अपनी 7 शर्तें पूरी करने की मांग दोहराई है। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि वेंस ने शांति वार्ता के लिए नहीं, बल्कि मेडिकल मदद के लिए ईरान से संपर्क किया था। उनके मुताबिक, ईरान ने बीमार लोगों के लिए दवाइयां और जरूरी सामान मांगा था। इस पर उन्होंने मदद देने की मंजूरी दे दी।

पूर्व बांग्लादेशी अफसर पर रॉ जासूस होने का शक,एक दिन पहले शव मिला-हसीना के भागने का वीडियो बनाने के बाद नौकरी से निकाला गया

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना के भारत भागने का वीडियो बनाने वाले एयरफोर्स अधिकारी केएम



तौसीफ सौरी का शव 28 अक्टूबर को ढाका की तुराग नदी में मिला। उन पर भारत की खुफिया एजेंसी रॉ से जुड़े होने का आरोप लगा था। बांग्लादेश के अखबार अमर देश ने आरोप लगाया था कि एयरफोर्स की जांच में कुछ अधिकारियों के रॉ से संबंध सामने आए हैं। हालांकि, बांग्लादेश के सैन्य जनसंपर्क निदेशालय ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। जेब में मिले आईफोन से पहचान हुई:-बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के मुताबिक अधिकारी का शव राजाबाड़ी घाट के पास मिला। सौरी ने सफेद पेंट और काली शर्ट पहनी हुई थी। शुरुआत में पुलिस शव की पहचान नहीं कर सकी। उनकी जेब से मिले आईफोन की मदद से पहचान हुई। शव के साथ एक कलाई घड़ी भी मिली। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ढाका के शहीद सुहरावर्दी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। इसके बाद वे हेलिकॉप्टर से भारत आ गई थीं। उनका देश छोड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस घटना के कुछ दिन बाद सितंबर 2024 में सौरी को एयरफोर्स से हटा दिया गया। उनके पिता के मुताबिक, परिवार को बताया गया था कि उन्हें अनुशासन से जुड़ी वजहों से हटाया गया है। हालांकि, परिवार का कहना था कि सौरी का रिकॉर्ड अच्छा था और वे करीब 200 घंटे विमान उड़ा चुके थे। एयरफोर्स ने भी कहा था कि उन्हें हटाने का हसीना के वीडियो से कोई संबंध नहीं था। उन्हें नियमों के तहत सेवा से रिटायर किया गया था। जुलाई 2026 में सौरी 'स्पीक विद राशिद' नाम के पॉडकास्ट में शामिल हुए थे। उनसे पूछा गया कि क्या हसीना का वीडियो बनाने की वजह से उनकी नौकरी गई थी? इस पर उन्होंने कहा था, 'हो सकता है।' रॉ से संबंधों के आरोपों पर उन्होंने कहा था कि रिपोर्ट प्रोपेगेंडा थी। इसके जरिए उनके खिलाफ गलत बातें फैलाई गई थीं। इसी पॉडकास्ट में सौरी ने 21 जुलाई 2025 को हुए फाइटर जेट हादसे की जांच पर भी सवाल उठाए थे। बांग्लादेश एयरफोर्स का एक ट्रेनिंग विमान ढाका के मिलस्टोन स्कूल एंड कॉलेज में गिर गया था। हादसे में 37 लोगों की मौत हुई थी और 170 से ज्यादा घायल हुए थे। सौरी ने विमान के रखरखाव और हादसे की जांच पर सवाल उठाए थे। सौरी के पिता इनायतुल करीम हेलाल ने बताया कि पॉडकास्ट वायरल होने के बाद उनका बेटा अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहने लगा था। उन्होंने कहा कि सौरी कभी-कभी डर लगने की बात करते थे, लेकिन इसकी वजह नहीं बताते थे। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, सौरी के पिता और चचेरी बहन ने उनकी हत्या किए जाने का शक जताया है। हालांकि, अभी उनकी मौत की वजह साफ नहीं हुई है। पुलिस जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही पता चलेगा कि उनकी मौत कैसे हुई।

पुतिन की यूरोप को चेतावनी- रूस से टकराव महंगा पड़ेगा,बोले- बाल्टिक सागर में जहाजों की आवाजाही में दखल न दें

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोपीय देशों को चेतावनी दी है कि रूस से टकराव बढ़ाना उनके लिए महंगा पड़ सकता है। मॉस्को में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पुतिन ने कहा, अगर बाल्टिक सागर में जहाजों की आवाजाही रोकने की कोशिश



की गई, तो वहां भी हॉर्मुज जैसे हालात बन सकते हैं। पुतिन ने कहा कि रूस यूरोप के साथ युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर कोई देश उससे टकराव करता है तो उसे इसके नतीजों के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तनाव बहुत ज्यादा बढ़ा तो किसी की जीत नहीं होगी। बाल्टिक सागर को लेकर क्यों नाराज हैं पुतिन:-बाल्टिक सागर रूस और यूरोप के बीच सामान लाने-ले जाने का एक अहम रास्ता है। रूस समेत कई यूरोपीय देश इसका इस्तेमाल व्यापार के लिए करते हैं। यहां से तेल, गैस और दूसरी चीजें जहाजों के जरिए एक देश से दूसरे देश पहुंचाई जाती हैं। यूक्रेन से जंग शुरू होने के बाद रूस और यूरोपीय देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। बाल्टिक सागर के आसपास नाटो देशों की मौजूदगी भी है। रूस को डर है कि अगर यूरोपीय देशों ने उसके जहाजों को इस रास्ते से गुजरने से रोका, तो उसके व्यापार पर असर पड़ेगा। पुतिन इसी बात को लेकर चेतावनी दे रहे हैं। उनका कहना है कि अगर जहाजों की आवाजाही रोकी गई तो हालात बिगड़ सकते हैं। इसका असर सिर्फ रूस पर नहीं, बल्कि दूसरे देशों के व्यापार पर भी पड़ेगा। पुतिन ने फिनलैंड और नॉर्वे के पीएम से बातचीत का बचाव किया:-पुतिन ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब और नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोरे से फोन पर हुई बातचीत का भी बचाव किया। दोनों नेताओं ने इसी हफ्ते उनसे बात की थी।आगे की खबर पेज संख्या 05 पर...

अमेरिकी-इजराइली धर्मगुरु ने कहा- हिंदू गोमूत्र पीते हैं, भारतीय डॉक्टरों पर भी अपमानजनक टिप्पणी की

न्यूयॉर्क। अमेरिका में रहने वाले इजराइली मूल के रब्बी योसी मिजराही ने हिंदुओं के गाय की



पूजा करने का मजाक उड़ाया है। उन्होंने भारतीय डॉक्टरों को लेकर भी अपमानजनक टिप्पणी की। मिजराही ने वीडियो में दावा किया कि भारत में लोग गाय का पेशाब पीते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ भारतीय डॉक्टर भी ऐसा करते हैं। उन्होंने दिल्ली की सड़कों पर गायों के बैठने और उनकी वजह से ट्रैफिक रुकने का भी मजाक उड़ाया। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारत और इजराइल के लोगों ने उनकी आलोचना की। कई लोगों ने उन्हें नस्लवादी बताया और कहा कि उन्होंने हिंदुओं की धार्मिक परंपराओं का अपमान किया है। वायरल वीडियो में मिजराही भारत के एक व्यक्ति का जिक्र करते हैं। उनका दावा है कि वह व्यक्ति पहले उनके फेसबुक पेज के लिए काम करता था और यहूदी धर्म अपनाना चाहता था। मिजराही ने कहा कि वह व्यक्ति भारत में अपने पिता और भाई के साथ रहता था। वे गाय की पूजा करते थे और उसके सामने झुकते थे। उन्होंने दावा किया कि कुछ हिंदू गाय को घर के ड्राइंग रूम में ले आते हैं। जब गाय फर्श पर पेशाब करती है तो उसे चाटते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में लोग दवा की दुकानों से गाय का पेशाब खरीदते हैं। मिजराही ने एक गाय का उदाहरण देते हुए कहा कि उसका नाम सूजी था। वह सड़क के बीच में बैठ जाती थी, जिससे ट्रैफिक रुक जाता था। लोग उस गाय को हटाने की हिम्मत भी नहीं करते थे। आखिर में उन्होंने कहा कि हम इस पर हंस रहे हैं, लेकिन ईश्वर का शुक्रिया भी अदा कर रहे हैं कि उन्होंने हमें उनके जैसा नहीं बनाया। इजराइली लेखक बोले- मिजराही इजराइल की छवि खराब कर रहे:- वीडियो वायरल होने के बाद इजराइल के शोधकर्ता और लेखक येशायाा रोसेनमैन ने मिजराही की आलोचना की। रोसेनमैन भारत में रहते हैं और यहां अध्ययन करते हैं।आगे की खबर पेज संख्या 05 पर...

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव की शुरुआती वोटिंग-रिपब्लिकन पार्टी पीछे,ट्रम्प ने 30 राज्यों की वोटर लिस्ट मंगवाई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले ही शुरुआती वोटिंग शुरू हो गई है। अब तक करीब 4 करोड़ लोग वोट डाल चुके हैं। रॉयटर्स और इप्सॉस के सर्वे के मुताबिक, अर्ली वोटिंग में राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी पीछे चल रही है। विपक्षी डेमोक्रेट्स को 47फीसदी और रिपब्लिकन पार्टी को 36फीसदी वोटरों का समर्थन मिल रहा है। इस बीच ट्रम्प ने अमेरिका के 30 राज्यों से वोटर लिस्ट की मांगी की है। माना जा रहा है कि ट्रम्प इस डेटा के जरिए विरोधी वोटरों की पहचान कर उन पर दबाव बनाने की कोशिश कर सकते हैं। शुरुआती वोटिंग क्या होती है? अमेरिका में चुनाव के तय दिन से पहले ही वोट डालने की सुविधा को शुरुआती वोटिंग कहते हैं। वोटर चुनाव वाले दिन का इंतजार किए बिना तय समय के दौरान वोट डाल सकते हैं। इसके लिए वोटर मतदान केंद्र जाकर या कुछ राज्यों में डाक से बैलेट भेजकर वोट दे सकते

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने मेधावियों और समाजसेवियों को किया सम्मानित,लोक सेवक एवं मेधा सम्मान से बढ़ा प्रतिभाओं का गौरव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बलिया। स्थानीय टीडी कॉलेज के मनोरंजन हॉल में आयोजित सम्मान समारोह में राज्यसभा के उपसभापति माननीय हरिवंश जी मुकेश सिंह, दिलीप कुमार सिंह, उमेश सिंह, भवतोष पांडेय, अजय सिंह, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, खुशी कुमारी, रिया वर्मा, भाग्यलक्ष्मी एवं रामनाथ पासवान सहित अन्य लोगों



ने शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के टॉपर्स को स्मृति चिह्न एवं शॉल भेंटकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह में मेधावियों और समाज के प्रति समर्पित लोगों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश जी ने कहा कि समाज और राष्ट्र के विकास में शिक्षा तथा जनसेवा की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के साथ ही समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित करना सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजन प्रतिभाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं और समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाते हैं। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख अनिल सिंह, प्रवीण सिंह, इफ्तखार खान, प्रदीप यादव, रूपेश सिंह, दुष्यंत सिंह, रामप्रकाश यादव, प्रिया, गीता, डॉ. कादंबिनी सिंह, शशिप्रेम देव, को लोक सेवक एवं मेधा सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहा गया। वहीं समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले लोगों को भी सम्मान देकर उनके योगदान को रेखांकित किया गया। आयोजकों के अनुसार, लोक सेवक एवं मेधा सम्मान का उद्देश्य समाज और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को पहचान दिलाना तथा उन्हें आगे भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

सम्मान प्राप्त करने वालों के लिए यह अवसर गौरव और प्रेरणा का प्रतीक बना। प्रतिभा, परिश्रम और समाज के प्रति समर्पण ही किसी व्यक्ति की वास्तविक पहचान है। ऐसे सम्मान समारोह न केवल उत्कृष्ट कार्य करने वालों का मनोबल बढ़ाते हैं, बल्कि युवाओं को भी शिक्षा और जनसेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

वाराणसी में आशा यस ए-वन फाउंडेशन की संस्थापिका ने पर्व की दी बधाई, प्रेम, विश्वास और पारिवारिक एकता का संदेश दिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। हरहुआ। शिवपुर भारतीय संस्कृति और परंपराओं में विशेष स्थान रखने वाले करवा चौथ के पावन पर्व पर आशा यस



ए-वन फाउंडेशन की संस्थापिका आशा यादव ने समस्त देशवासियों, माताओं, बहनों और सुहागिन महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने इस पावन अवसर पर सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए पर्व को प्रेम, विश्वास, समर्पण और पारिवारिक एकता का प्रतीक बताया। आशा यादव ने कहा कि करवा चौथ भारतीय संस्कृति की उन महत्वपूर्ण परंपराओं में से एक है, जो पति-पत्नी के बीच प्रेम, आपसी विश्वास और समर्पण की भावना को मजबूत करती हैं। यह पर्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार के प्रति जिम्मेदारी, रिश्तों की अहमियत और एक-दूसरे के प्रति सम्मान का संदेश भी देता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुखमय जीवन की कामना करते हुए पूरे विधि-विधान से व्रत रखती हैं तथा शाम को चंद्रमा के दर्शन और पूजन के बाद व्रत का पारण करती हैं। उन्होंने कहा कि करवा चौथ का पर्व भारतीय समाज की सांस्कृतिक विरासत और पारिवारिक मूल्यों को सहेजने का अवसर प्रदान करता है। त्योहार हमारी परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे के करीब लाने का भी कार्य करते हैं। ऐसे अवसरों पर हमें अपने परिवार, समाज और आसपास के लोगों के प्रति प्रेम, सद्भाव तथा सहयोग की भावना को और मजबूत करना चाहिए। महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण पर जोरः- आशा यादव ने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाएं परिवार की आधारशिला होने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिलाओं का सम्मान, उनकी सुरक्षा, शिक्षा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना प्रत्येक व्यक्ति और समाज की जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी सार्थक होती है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग तक खुशियां पहुंचें। जरूरतमंद परिवारों की सहायता करना, गरीब बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना और महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि त्योहारों के अवसर पर आपसी मतभेद भुलाकर प्रेम, भाईचारे और सहयोग की भावना के साथ जीवन व्यतीत करें। सामाजिक सेवा के प्रति प्रतिबद्ध है फाउंडेशनः-आशा यस ए-वन फाउंडेशन की संस्थापिका आशा यादव ने कहा कि संस्था सामाजिक सेवा, जरूरतमंदों की सहायता और गरीब बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से निरंतर प्रयासरत है।

उनका मानना है कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे को शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। समाज के सक्षम लोगों को जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए आगे आना चाहिए, ताकि प्रत्येक व्यक्ति सम्मान के साथ जीवन जी सके।उन्होंने करवा चौथ के पावन पर्व पर सभी के जीवन में खुशहाली, प्रेम और सकारात्मकता बनी रहने की कामना की। साथ ही कहा कि भारतीय संस्कृति की परंपराओं को बनाए रखते हुए समाज में आपसी सम्मान, सद्भाव और मानवता की भावना को मजबूत करना हम सभी का कर्तव्य है।

वाराणसी-दिल्ली के बीच दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस,लग्जरी सुविधाएं और सुरक्षा फीचर जीतेंगे यात्रियों का दिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ/वाराणसी। पीएम मोदी की संसदीय क्षेत्र वाराणसी पूर्वांचल से देश की राजधानी दिल्ली तक सफर करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी



खुशखबरी है। वाराणसी- नई दिल्ली के बीच अत्याधुनिक वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस शुरू करने की तैयारी है। इस ट्रेन में यात्रियों को लग्जरी सुविधाओं के साथ आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 31 अक्टूबर को बनारस स्टेशन पर आयोजित समारोह में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। रेल मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, ट्रेन संख्या 27421/27422 वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस सप्ताह में छह दिन दोनों दिशाओं में संचालित होगी। वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली ट्रेन रात 8:50 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 6:10 बजे राजधानी पहुंचेगी। करीब 760 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस ट्रेन का सफर रात में आरामदायक बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। रास्ते में ट्रेन प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ और गाजियाबाद जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव लेगी। ट्रेन का प्राथमिक रखरखाव वाराणसी में और द्वितीयक अनुरक्षण नई दिल्ली में किया जाएगा। प्रयागराज और कानपुर सेंट्रल में पानी भरने की व्यवस्था भी रहेगी। वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस में कुल 16 वातानुकूलित कोच होंगे, जिनमें 11 थर्ड एसी, चार सेकंड एसी और एक फर्स्ट एसी कोच शामिल होगा। इसमें एक साथ करीब 823 यात्री सफर कर



सकेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए आरामदायक कुशन वाली बर्थ और आधुनिक सस्पेंशन प्रणाली लगाई गई है, जिससे यात्रा के दौरान झटकों और शोर को कम करने में मदद मिलेगी। ट्रेन को 180 किलोमीटर प्रति घंटे की डिजाइन गति के अनुरूप तैयार किया गया है, हालांकि वास्तविक परिचालन गति रेलवे के निर्धारित मानकों पर निर्भर करेगी। यात्रियों की सुरक्षा के लिए इसमें स्वदेशी कवच सुरक्षा प्रणाली, स्वचालित दरवाजे, सीलबंद वेस्टिब्यूल, आग का पता लगाने वाली प्रणाली और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आपात स्थिति में यात्री टॉक-बैक सिस्टम के जरिए ट्रेन कर्मचारियों से संपर्क कर सकेंगे। इसके अलावा आधुनिक पेंट्री और स्वच्छता के लिए विशेष इंतजाम भी किए गए हैं। ट्रेन में खानपान की सुविधा मिलने से यात्रियों का सफर और सुविधाजनक होगा।

31 अक्टूबर को प्रस्तावित शुभारंभ के साथ वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस काशी और दिल्ली के बीच रेल यात्रा को नई पहचान देने की दिशा में अहम कदम साबित हो सकती है। इससे व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और अन्य यात्रियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। यात्रियों को यात्रा से पहले रेलवे की आधिकारिक समय-सारिणी और परिचालन संबंधी अंतिम सूचना अवश्य जांचनी चाहिए।

इस आशय की जानकारी मण्डल रेल प्रबन्धक लखनऊ के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को दी।

लोक सेवा गारण्टी में समय सीमा में सेवाएं नहीं देने वाले पंचायत सचिवो पर 500 रूपए प्रतिकेश पैनाल्टी लगाने के निर्देश- कलेक्टर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म.प्र/शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के तहत समय- सीमा से कम नहीं होना चाहिए अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में सीईओ जिला



में विभिन्न विभागों द्वारा दी जाने वाली सेवाएं हितग्राही को नहीं मिलने पर संबंधित पंचायत सचिवों पर 500 रूपए प्रतिकेश पैनाल्टी लगाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जन विश्वास अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त होने वाली शिकायतों तथा सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के प्रकरणों का निराकरण 80 प्रतिशत पंचायत श्री शिवम प्रजापति, डीएफओ श्रद्धा पेंद्रे, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, एसडीएम ब्यौहारी सुश्री अर्चना मिश्रा, एसडीएम जैतपुर श्री दीपक मंडावी, डिप्टी कलेक्टर श्री भागीरथी लहरे, श्रीमती एंटोनिया एक्का, श्री अंकित ऊके सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

विधिक माप विज्ञान विभाग में मनाया गया 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह'; अधिकारियों व कर्मचारियों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं शासनादेश के अनुपालन में कार्यालय नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान, उत्तर प्रदेश (लखनऊ) में 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के अंतर्गत विचार गोष्ठी एवं सत्यनिष्ठा शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विभागीय अधिकारियों एवं कार्मिकों ने अपने दैनिक दायित्वों के निर्वहन में पूर्ण पारदर्शिता, शुचिता एवं ईमानदारी बनाए रखने तथा भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए निर्बाध रूप से कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया। विचार गोष्ठी का आयोजन उपनियंत्रक



(लखनऊ जोन) लव कुमार पांडे तथा उपनियंत्रक (कानपुर जोन) मुकेश कुमार की संयुक्त उपस्थिति में संपन्न हुआ। संगोष्ठी में विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी, संवेदनशील एवं जनहितैषी बनाने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के वरिष्ठ निरीक्षक, निरीक्षक तथा अन्य विभागीय कार्मिक उपस्थित रहे।

रायबरेली में पीएम-किसान योजना की 24वीं किस्त वितरण का मुख्य कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर में आयोजित

जनपद के 4,00,896 किसानों के खातों में अंतरित हुई लगभग 80.17 करोड़ रुपये की धनराशि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 24वीं किस्त के वितरण के अवसर पर जनपद रायबरेली का मुख्य कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र, दरियापुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने बनासकांठा, गुजरात से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम-किसान योजना की 24वीं किस्त जारी किए जाने के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा तथा प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। मुख्य कार्यक्रम में लगभग 200 किसानों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक



हिमांशु पांडेय ने बताया कि योजना की 24वीं किस्त के अंतर्गत जनपद के 4,00,896 किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। इसके तहत लगभग 80.17 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की गई। उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों को खेती-किसानी की आवश्यकताओं के लिए समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता ने अपने संबोधन में कहा कि किसानों की समृद्धि ही विकसित भारत की आधारशिला है। जिला उपाध्यक्ष अभिषेक वर्मा ने बताया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत कम करने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने किसानों से कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। मुख्य कार्यक्रम के अतिरिक्त जनपद के सभी विकास खंड मुख्यालयों एवं कृषि समृद्धि केंद्रों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां किसानों ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा।इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, कृषि यंत्रीकरण सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर के अध्यक्ष डॉ. के.के. सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी जे.पी. यादव सहित कृषि विभाग, उद्यान विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक, जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

42वीं वाहिनी पीएसी नैनी में अंतर-वाहिनी टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन,जवानों ने खेल भावना, उत्कृष्ट कौशल एवं अनुशासन का किया शानदार प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज। पुलिस स्मृति दिवस एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 21 से 31 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 को 42वीं वाहिनी पीएसी, नैनी, प्रयागराज में अंतर-वाहिनी खो लदाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सेनानायक एवं आईपीएस अधिकारी श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य जवानों की मानसिक एवं शारीरिक दक्षता को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, टीम भावना और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना रहा। प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित टेबल टेनिस मैच में जवानों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, फुर्ती, एकाग्रता और अनुशासित प्रदर्शन से खेल भावना का परिचय दिया। मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इस प्रकार के खेल आयोजनों से पुलिस एवं पीएसी जवानों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक सुदृढ़ता, आपसी समन्वय और कर्तव्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को भी बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम का आयोजन पुलिस विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में किया गया।



रेल कर्मचारियों की समस्याओं और स्वास्थ्य सुविधाओं पर मंथन, प्रेम बैठक में उठे अहम मुद्दे,लखनऊ में डीआरएम की अध्यक्षता में हुई बैठक,अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में रेल कर्मचारियों की समस्याओं, कार्य परिस्थितियों और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर प्रेम (रेल कर्मचारियों की सहभागिता) बैठक आयोजित की गई। मंडल कार्यालय स्थित गंगोत्री सभागार में मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में परिचालन एवं रनिंग कर्मचारियों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान रेल कर्मचारियों की कार्य संबंधी समस्याओं, उन्हें उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सीय सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विषय प्रमुखता से उठाए गए। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने यूनियन पदाधिकारियों की ओर से प्रस्तुत मुद्दों को सुना और कर्मचारियों के कल्याण, समस्याओं के समाधान तथा कार्य परिस्थितियों में सुधार को लेकर विचार-विमर्श किया। बैठक में कर्मचारियों की जरूरतों और उनकी कार्य संबंधी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कर्मचारी हितों से जुड़े विषयों को प्रमुखता दी गई। बैठक के दौरान रेल कर्मचारियों की कार्य संबंधी समस्याओं, उन्हें उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सीय सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विषय प्रमुखता से उठाए गए। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने यूनियन पदाधिकारियों की समस्याओं को सामने लाना और उनके समाधान की दिशा में विचार करना रहा। बैठक का संचालन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, बादशाह नगर, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रास्ट्रक्चर), अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) सभी शाखाधिकारी, यूनियन पदाधिकारी और रेल कर्मचारी मौजूद रहे।



बैठक के संबंध में पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को जानकारी दी।

अर्नब चक्रवात एवं असामयिक वर्षा से फसल क्षति होने पर 72 घंटे के अंदर दर्ज कराएं शिकायत

फसल बीमा कराने वाले किसान टोल फ्री नंबर 14447 पर दें सूचना, तहसीलवार बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों के मोबाइल नंबर जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला कृषि अधिकारी, सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में अर्नब चक्रवात एवं असामयिक वर्षा के कारण खरीफ की फसलों को क्षति होने की संभावना के दृष्टिगत जनपद के समस्त कृषक बंधुओं, विशेषकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमित कृषकों को सूचित किया जाता है कि यदि उनकी फसलों को किसी प्रकार की क्षति होती है, तो आपदा के दौरान 72 घंटे के अंदर टोल फ्री नंबर 14447 पर फसल क्षति की शिकायत अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। इससे क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वेक्षण कृषि विभाग, राजस्व विभाग एवं फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा कराया जा सकेगा तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी। कृषक बंधुओं से अनुरोध किया है कि फसल बीमा एवं फसल क्षति से संबंधित अन्य आवश्यक जानकारी



प्राप्त करने के लिए अपनी तहसील से संबंधित फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों से संपर्क कर सकते हैं। कृषकों की सुविधा के लिए तहसीलवार बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों के नाम एवं मोबाइल नंबर निम्नवत हैंः- गणेश प्रसाद, जिला प्रतिनिधि/तहसील कोऑर्डिनेटर, तहसील रॉबर्ट्सगंज मोबाइल नंबरः 809765773। प्रशान्त कुमार शुक्ला, तहसील कोऑर्डिनेटर, तहसील दुद्धी मोबाइल नंबरः 6392589818। विकास कुमार पाण्डेय, तहसील कोऑर्डिनेटर, तहसील ओबरा मोबाइल नंबरः 7897827083। राकेश कुमार मौर्या, तहसील कोऑर्डिनेटर, तहसील घोरावल मोबाइल नंबरः 9415074954। जिला कृषि अधिकारी ने कृषकों से अपील की है कि फसल क्षति होने की स्थिति में निर्धारित समयसीमा के भीतर शिकायत अवश्य दर्ज कराएं तथा फसल बीमा से संबंधित आवश्यक जानकारी के लिए संबंधित तहसील के प्रतिनिधि से संपर्क करें, ताकि फसल क्षति के सर्वेक्षण एवं नियमानुसार मुआवजे की प्रक्रिया में आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

डीएम व एसपी ने पीईटी-2026 के विभिन्न परीक्षा केंद्रों निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा,जनपद के 24 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित हुई परीक्षा

दोनों पालियों में कुल 19488 पंजीकरण के सापेक्ष 13144 उपस्थित एवं 6344 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद रायबरेली में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 को सुचारु, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने फिरोजगांधी डिग्री कालेज, रेयांन इंटरनेशनल स्कूल, जीआईसी सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनपद में पीईटी-2026 की परीक्षा आज कुल 24 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की गई। परीक्षा को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों द्वारा भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं की निगरानी की गई। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को परीक्षा के सफल संचालन के लिए आवश्यक निर्देश दिए।पीईटी-2026 की प्रथम पाली में कुल 9,744 पंजीकृत परीक्षार्थियों के सापेक्ष 6622 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 3122 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में भी कुल 9,744 पंजीकृत परीक्षार्थियों के सापेक्ष 6522 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तथा 3222 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों पालियों में कुल 19,488 पंजीकरण के सापेक्ष 13144 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 6344 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिससे परीक्षा प्रक्रिया सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जा सके। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।





सरदार वल्लभभाई पटेल का भारत की राजनीति और राष्ट्र-निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक योगदान रहा

सरदार वल्लभभाई पटेल की 151 वीं जयंती के पूर्व संध्या

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)नैनी/प्रयागराज। लौह पुरुष ,भारत रत्न, किसानों के मसीहा, अखंड भारत के रचयिता एवं राष्ट्रीय एकता के प्रतीक श्रेष्ठ भारत के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल की 151 वीं जयंती के पूर्व संध्या के अवसर पर सुमित्रा देवी ग्रामीण सेवा संस्थान के तत्वाधान में नंदन तालाब मे चौपाल का आयोजन किया गया। सभी उपस्थित बच्चे-बूढ़े और नौजवान ने सर्वप्रथम उनके पोर्ट्रेट चित्र पर आरती उतारी। इस अवसर पर सुविख्यात समाजसेवी व भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्याय सरदार पतविन्दर सिंह ने कहा कि भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पूरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है देश की रियासतों का एकीकरण कर एक सूत्र में पिरोने मे सरदार वल्लभभाई पटेल का भारत की राजनीति और राष्ट्र-निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक योगदान रहा है। उन्हें भारत के 'लौह पुरुष' और 'राजनीतिक एकीकरण के जनक' के रूप में जाना जाता है। कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत का राजनीतिक एकीकरण (560 से अधिक रियासतों का विलय) 1947 में जब देश आज़ाद हुआ, तब भारत छोटे-बड़े लगभग 565 से अधिक स्वतंत्र देशी रियासतों में बंटा हुआ था। सरदार पटेल ने अपनी असाधारण कूटनीति, संवाद और दृढ़ इच्छाशक्ति से लगभग सभी रियासतों को भारतीय संघ में शांतिपूर्वक मिलाया। जहाँ कूटनीति काम नहीं आई (जैसे जूनागढ़ और हैदराबाद), वहाँ उन्होंने कठोर और निर्णायक कदम उठाए। सौरभ यादव ने कहा कि आज़ादी के बाद 1947 से 1950 तक उन्होंने देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। देश के विभाजन के बाद उत्पन्न शरणार्थी समस्या, आंतरिक सुरक्षा और प्रशासनिक चुनौतियों को संभालने में उनकी मुख्य भूमिका रही।तेजस यादव,परी पांडे,सोहेल अहमद,यथार्थ मिश्रा,योगेन्द्र पांडे, मन्नत मिश्रा,नीलेश चतुर्वेदी, सुमित सिंह कृष्ण शर्मा आर्य,सौरव यादव सरदार पतविंदर सिंह,संजय श्रीवास्तव सहित कई सामाजिक राजनीतिक गणमान्यजन लोगों ने अपने विचार रखें।



खनन बैरियर से बचने के लिए गलत तरिके से वाहन को हाइवे पर पार्क करने वाले ट्रक मालिक व उनके चालकों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने तथा स्टेट हाईवे-05 पर अनाधिकृत रूप से ट्रक खड़े कर जाम की स्थिति उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु दिए गए निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सुश्री मेविस टॉक, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा एवं क्षेत्राधिकारी यातायात सुधीर सिंह के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक यातायात नरेन्द्र सिंह के कुशल नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया। टोल प्लाजा के पास खनन बैरियर से बचने के उद्देश्य से ट्रकों को हाईवे पर अनाधिकृत रूप से खड़ा कर यातायात बाधित किए जाने का मामला प्रकाश में आया। उक्त कारण से शक्तिनगर की ओर से आने वाले वाहनों को जाम का सामना करना पड़ा तथा एक एंबुलेंस भी जाम में फंस गई थी।

पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए जाम खुलवाकर यातायात को सुचारु कराया गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक यातायात द्वारा 16 वाहन स्वामियों एवं 16 चालकों सहित कुल 32 व्यक्तियों के विरुद्ध थाना रॉबर्ट्सगंज पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया गया।



Operation Conviction:सोनभद्र पुलिस की प्रभावी पैरवी से दोष सिद्ध अभियुक्त को 07 वर्ष का कारावास एवं रु18,000/- अर्थदण्ड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्रीमान पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन, वाराणसी के निर्देशन, श्रीमान पुलिस उपमहानिरीक्षक, विन्ध्याचल परिक्षेत्र, मिर्जापुर के कुशल पर्यवेक्षण तथा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे 'Operation Conviction' अभियान के क्रम में सोनभद्र पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। सोनभद्र पुलिस द्वारा प्रभावी विवेचना, सुदृढ़ साक्ष्य संकलन एवं अभियोजन पक्ष की प्रभावी न्यायालयीन पैरवी के फलस्वरूप थाना अनपरा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-401/2007 धारा 306, 498ए, 506 भादवि से सम्बन्धित अभियोग में माननीय न्यायालय सोनभद्र द्वारा अभियुक्त संतोष पनिका पुत्र स्व0 जवाहर पनिका निवासी डिबुलगंज थाना अनपरा जनपद सोनभद्र को दोषसिद्ध करते हुए 07 वर्ष के साधारण कारावास एवं 18 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण का विवरणः-थाना - अनपरा, जनपद सोनभद्र,मु0अ0सं0 - 401/2007,धारा -धारा 306, 498ए, 506 भादवि दोषसिद्ध अभियुक्त का विवरण-संतोष पनिका पुत्र स्व0 जवाहर पनिका निवासी डिबुलगंज थाना अनपरा जनपद सोनभद्र। माननीय एएसजे/ एफटीसी/ सीएडब्लू न्यायालय सोनभद्र द्वारा दोषसिद्ध अभियुक्त को– धारा 306 भादवि में सात वर्ष के साधारण कारावास व दस हजार रुपये के अर्थदण्ड, धारा 498ए भादवि में दो वर्ष के साधारण कारावास एवं पांच हजार रुपये के अर्थदण्ड तथा धारा 506 भादवि में एक वर्ष के साधारण कारावास व तीन हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। उक्त अभियोग में थाना अनपरा पुलिस द्वारा की गई प्रभावी विवेचना, साक्ष्यों का सुदृढ़ संकलन, अभियोजन अधिकारी द्वारा की गई प्रभावी न्यायालयीन पैरवी, कोर्ट मोहर्रिर के समन्वय तथा जनपद मॉनिटरिंग सेल द्वारा की गई सतत निगरानी एवं प्रभावी अनुश्रवण के परिणामस्वरूप अभियुक्त को दोषसिद्ध कराते हुए माननीय न्यायालय से प्रभावी सजा सुनिश्चित कराई।

घर में गड़े 5 करोड़ का राज तलाशने टीमें पहुंचीं प्रयागराज

प्रयागराज। घर के अंदर जमीन में गाइकर रखे गए 5 करोड़ रुपए का राज गहराता जा रहा है। जमीन के अंदर और कितनी नकदी छिपी है,



इसका पता लगाने के लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार लगाया गया है। पुलिस के साथ आयकर विभाग और बैंक अधिकारियों की टीमें जांच कर रही हैं। जांच के दौरान शुक्रवार को घर के अंदर चार बंद बक्से मिले हैं। इन पर ताले लगे हैं।अब तक की जांच में सामने आया है कि नवाबगंज निवासी राजेश और राकेश करोड़ों रुपए की नकदी पुणे से प्रयागराज लाकर इन्हें में भरते थे और फिर उसे जमीन में गाड़ देते थे। दोनों भाइयों से पूछताछ के बाद एक टीम को पुणे भी भेजा गया है। दोनों भाई कई साल तक पुणे के एक सर्राफा कारोबारी के यहां काम करते रहे थे। कोविड के दौरान वे प्रयागराज लौट आए। आशंका है कि इसी दौरान करोड़ों रुपए की नकदी यहां लाई गई। जांच एजेंसियों को आशंका है कि तीन ड्रमों के अलावा परिवार ने घर, बाग, खाली जमीन या किसी अन्य मकान में भी नोटों की गड्डियां छिपाकर रखी हो सकती हैं। डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार ने बताया-'राकेश के घर में जमीन के नीचे दबाए गए तीन ड्रमों से करोड़ों रुपए मिले हैं। मौके पर पुलिसकर्मियों की तैनाती है। मामले की जांच के लिए लखनऊ से आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन टीम पहुंची है। एक टीम को पुणे भी भेजा गया है।'

'सुरक्षा आपकी, संकल्प हमारा'

थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा साइबर फ्रॉड के शिकार व्यक्ति के रु4,000/- वापस कराए गए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी शक्तिनगर के कुशल नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस टीम द्वारा साइबर धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति की धनराशि वापस कराई गई। प्रकरण में आवेदक के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा साइबर फ्रॉड कर धनराशि अपने खाते में ट्रांसफर करा ली गई थी। इसकी सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक से पत्राचार कर फ्रॉड की धनराशि को होल्ड कराया गया तथा एमआरएम पोर्टल के माध्यम से रु4,000/- की संपूर्ण धनराशि आवेदक के मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई। धनराशि वापस मिलने पर आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं साइबर क्राइम पुलिस थाना शक्तिनगर के अधिकारी/कर्मचारीगण की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया। बरामद/वापस कराई गई धनराशि - रु4,000/- धनराशि वापस कराने वाली पुलिस टीम का विवरण-प्रभारी निरीक्षक श्री सतेन्द्र कुमार राय, थाना शक्तिनगर, सोनभद्र। उ0नि0 श्री रणजीत कुमार, थाना शक्तिनगर, सोनभद्र। म0का0 नीलम सिंह, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र।



साइबर सुरक्षा संबंधी अपील- किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट, बैंक खाता संख्या, नेट बैंकिंग विवरण, पासवर्ड एवं ओटीपी साझा न करें। किसी भी परिचित के नाम या मोबाइल नंबर से आने वाले संदिग्ध कॉल एवं संदेशों के प्रति सतर्क रहें। साइबर अपराध की घटना होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा वेबसाइट cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं या नजदीकी थाने में सूचना दें।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने वोट बचाओ,देश बचाओ महारैली की तैयारियों का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। वोट बचाओ,देश बचाओ,लोकतंत्र बचाओ' महारैली की तैयारियों को लेकर कंट्रोल रूम के सदस्यों से मुलाकात की तथा उनके साथ विस्तृत चर्चा की।बैठक के दौरान महारैली की व्यवस्थाओं, समन्वय,कार्यकर्ताओं से संपर्क, विभिन्न जिलों से आने वाले कांग्रेसजनों की जानकारी एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। प्रदेश अध्यक्ष जी ने कंट्रोल रूम के सदस्यों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए आपसी तालमेल और जिम्मेदारियों के निर्वहन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए उन्होंने कहा कि महारैली के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें,ताकि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकें इस अवसर पर कंट्रोल रूम के सदस्यों ने प्रदेश अध्यक्ष जी को तैयारियों की जानकारी दी और महारैली के आयोजन को लेकर अपनी जिम्मेदारियों के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की।इस दौरान कंट्रोल रूम वेस्ट जॉन के प्रभारी वरिष्ठ नेता कांग्रेस ओंकारनाथ सिंह,कंट्रोल रूम के सदस्य स्टेट कोडिनेटर कांग्रेस नेता सतेन्द्र शर्मा, महानगर महासचिव राम कुमार शर्मा,पूर्व अध्यक्ष गाजियाबाद मनोज कौशिक,पीसीसी सदस्य सूरज झा, सेवादल के विक्रांत परासर रहे।



अदम्य साहस और बुलंद हौसले की मिसालः नोएडा सेक्टर 105 के समीर नेहरा ने -18ष्ट्ट तापमान और 15,000 फीट की ऊँचाई पर फहराया तिरंगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा ?कहा जाता है कि जहाँ साधारण इंसान के कदम ठिठक जाते हैं, वहीं से एक वीर योद्धा के संकल्प की वास्तविक यात्रा शुरू होती है। सेक्टर 105, नोएडा के निवासी और माँ भारती के सच्चे सपूत समीर नेहरा ने यह साबित कर दिखाया है

। उन्होंने हाल ही में आयोजित अत्यंत दुर्लभ, कठिन और भीषण 'आदि कैलाश परिक्रमा रन' में अपनी अद्वितीय सहनशक्ति और अडिग जज्बे से एक नया इतिहास रच दिया है।

समुद्र तल से 15,000 फीट की अत्यधिक ऊँचाई और -18 डिग्री सेल्सियस के कड़ाके के ठंड व कम ऑक्सीजन वाले चुनौतीपूर्ण माहौल में दुनिया भर से आए 150 से अधिक दिग्गज और अनुभवी अंतरराष्ट्रीय धावकों ने हिस्सा लिया था।

इस जानलेवा 70 किलोमीटर की महा-मैराथन को समीर नेहरा ने मात्र 12 घंटे 17 मिनट में सफलतापूर्वक पूरा कर अपनी आयु वर्ग श्रेणी में छठा स्थान प्राप्त किया है। यह केवल एक खेल की जीत नहीं, बल्कि अदम्य मानव इच्छाशक्ति और कठोर अनुशासन की महा-विजय है।

इस स्वर्णिम उपलब्धि पर सेक्टर 105 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने उनके निवास पर पहुँचकर पुष्पगुच्छ भेंट किया और मिठाई खिलाकर उनका आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया।

इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने कहाः-?'समीर जी की यह ऐतिहासिक सफलता हमारे पूरे क्षेत्र, गौतम बुद्ध नगर और देश के हर उस युवा के लिए एक जीवंत प्रेरणा है, जो जीवन में बड़े सपने देखने का साहस करता है।

उन्होंने यह साबित कर दिया है कि यदि मन में अटूट विश्वास और पक्की लगन हो, तो दुनिया का कोई भी कठिन पर्वत आपके इरादों को नहीं डिगा सकता।

यह उपलब्धि प्रत्येक देशवासी के हृदय में गर्व का संचार करती है।

आइए, हम सब मिलकर हमारे गौरव श्री समीर नेहरा जी को इस अविश्वसनीय सफलता के लिए हृदय से बधाई दें

और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करें।



ए. जी. ऑफिस के सात (7) कर्मचारी सेवानिवृत हुए,गेट पर दी गई विदाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। कार्यालय महालेखाकार के माह अक्टूबर-2026 में सात (7) सेवानिवृत कर्मचारियों का विदाई समारोह गेट पर दिनांक 30.10.2026 दिन शुक्रवार को संपन्न हुआ। सेवानिवृत कर्मचारी/अधिकारी आलोक जैन वरिष्ठ लेखाधिकारी,शिव नरेश गुप्ता सहायक पर्यवेक्षक ,श्रीराम वर्मा सहायक पर्यवेक्षक, रमेश कुमार पर्यवेक्षक,श्याम किशोर पर्यवेक्षक, आमोद गर्ग वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, योगेश कुमार सिंह सहायक पर्यवेक्षक को फूल माला एवं अंग वस्त्रम शाल ओढ़ाकर विदाई किया गया। विदाई कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय लोक सेवार्थ संगठन प्रयागराज के संयोजक ओम प्रकाश गुप्ता जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्रकाश अध्यक्ष कोऑपरेटिव सोसाइटी,मनोज कुमार श्रीवास्तव पूर्व अध्यक्ष, अजय कृष्ण मिश्रा वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी,विजय कुमार श्रीवास्तव पूर्व उपाध्यक्ष ऑडिट, बिनोद उपाध्याय पूर्व अध्यक्ष,राजू मिश्रा पूर्व डायरेक्टर, अनिल दास पूर्व उपाध्यक्ष, अमित सिंह सचिव मनोरंजन क्लब ऑडिट,सगीर अहमद, पंकज मालवीय, रजनीकांत विद्यार्थी वरिष्ठ लेखाधिकारी, जितेंद्र कुमार वरिष्ठ लेखाधिकारी, वृजपाशंकर सिंह, बुल्लदीप कुमार,अनूप कुमार टंडन वरिष्ठ लेखाधिकारी, आत्म प्रकाश सिंह डायरेक्टर, चंद्रशेखर सिंह डायरेक्टर का रहा। श्री लक्ष्मी कांत त्रिपाठी,सतीश राय ,ज्ञान चंद्र, सुजीत चंद्रा, देशराज सिंह,विनोद कुमार श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव,के. के. सिंह,विमल पाण्डेय, राजेश श्रीवास्तव, ललित श्रीवास्तव,प्रतिभा श्रीवास्तव,सुबोध चंद्र प्रजापति,राम मिलन, माता प्रसाद,प्रदीप गुप्ता,राज कुमार यादव, शादाब रजा,संजय बहल,रमेश चंद्र गुप्ता, श्याम सुंदर दुबे, ,अर्जुन पाठक, राधेश्याम मौर्या, विजय कुमार नैयर,बलवंत राय मदान,सोहन लाल,राजेश गोयल,सुनील कुमार, फूल चंद्र,वीरेंद्र दयाल,विपिन यादव,रंजीत कुमार एवम अन्य साथियों का सहयोग रहा।विदाई कार्यक्रम में कार्यालय के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।



जे.एस.पी. महाविद्यालय कसया कला सोनभद्र में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकास खंड कर्मा के अंतर्गत कसया कला स्थित जे.एस.पी. महाविद्यालय में देश के पहले गृह मंत्री और 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।



मुख्य आकर्षण और कार्यक्रमः- सद्भावना और एकता मार्चः महाविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर सरदार पटेल के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए एकता मार्च निकाला। विचार गोष्ठीः कार्यक्रम के दौरान एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण में सरदार पटेल के अमूल्य योगदान और रियासतों के एकीकरण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। सांस्कृतिक प्रस्तुतियांः छात्र-छात्राओं ने भाषण, कविता पाठ और देशभक्ति गीतों के माध्यम से सरदार पटेल के जीवन और उनके संघर्षों को याद किया। 'अखंड भारत के शिल्पी सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती हमें देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने की प्रेरणा देती है।' इस आयोजन से विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया। क्या आप इस कार्यक्रम के संबंध में कोई विशेष जानकारी या प्रेस विज्ञप्ति तैयार करवाना चाहते हैं? सभी संस्थान के अध्यापक कर्मचारी सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहेः- जेएसपी महाविद्यालय इंद्र प्रताप बीटीसी कॉलेज सरदार वल्लभभाई पटेल आईटीआई पारस सिंह कॉलेज ऑफ़ फार्मेसी हंस अलेक्स पब्लिक स्कूल जेएसपी डी फार्मा प्रबंधनिदेशक डॉ प्रसन्न पटेल, संस्थापक बाबू पारसनाथ सिंह,उप प्रबंधकममता सिंह डॉ दशरथ, डॉ प्रकाश कुमार, डॉ प्रदीप कुमार, जयप्रकाश वर्मा, अरविन्द, उजाला मौर्या, शिवांगी यादव, महेंद्र मिश्रा, अशोक कुमार, संध्या सिंह।

पर्यावरण से जुड़े प्रश्न युद्ध खत्म होने तक नहीं रुकेंगे

युद्ध, भू-राजनीतिक उथल-पुथल और आर्थिक तंगी के दौर में यह बड़ी आसानी से मान लिया जा सकता है कि प्रकृति का संरक्षण जरूरी तो है, लेकिन उसकी तत्काल कोई अनिवार्यता नहीं। इसे तो शांतिकाल में भी



किया जा सकता है। यह सोच घातक है। इन सर्दियों में जब दुनिया के नेता संयुक्त राष्ट्र के जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन सम्मेलनों के लिए जुटेंगे तो उन्हें याद रखना चाहिए कि दुनिया की आधी से अधिक जीडीपी प्रकृति और उससे मिलने वाली सेवाओं पर निर्भर है। 9.5 ट्रिलियन डॉलर की ग्लोबल फूड इंडस्ट्री गुणवत्तापूर्ण मिट्टी पर टिकी है। 1.5 अरब लोगों की आजीविका वनों पर निर्भर है। नदियां बाढ़ के पानी को खुद में समेटकर परिवहन के महत्वपूर्ण नेटवर्क को बनाए रखती हैं। प्रकृति वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसकी रक्षा करना राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पर्यावरण से जुड़े प्रश्न मध्य-पूर्व और यूक्रेन में युद्ध खत्म होने तक इंतजार नहीं करेंगे। इस गर्मी में यूरोप में सूखे के कारण 2 से 3 अरब डॉलर की फसलें खराब हुईं। यह किसानों के लिए दोहरी मार थी, क्योंकि इससे पहले हेर्मोज बंद होने से फर्टिलाइजर की कीमतों में भी 71फीसदी की बढ़ोतरी हो गई थी। युद्ध और चरम-मौसम की घटनाओं के मिले-जुले असर ने वैश्विक खाद्य कीमतों को 2022 के बाद के अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा दिया। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पारिस्थितिकी तंत्र के आंशिक रूप से ध्वस्त होने के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को हर साल 2.7 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता है। भू-राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद हम उन प्राकृतिक प्रणालियों को कमजोर करने का जोखिम नहीं उठा सकते, जिन पर हमारी अर्थव्यवस्थाएं निर्भर हैं। '30 बाय 30' की पहल आज पहले से कहीं अधिक अहम हो गई है। इसके तहत 2030 तक दुनिया की कम से कम 30फीसदी भूमि और समुद्री क्षेत्र की रक्षा एवं संरक्षण का लक्ष्य है। प्रकृति की रक्षा करना संकटों को झेलने के सामर्थ्य और एकजुटता में निवेश करने जैसा है। यह खाद्य और जल सुरक्षा को सुदृढ़ करता है तथा जलवायु संकट से उबरने की क्षमता बढ़ाता है। साथ ही आजीविका, जनस्वास्थ्य और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को बनाए रखता है। वर्ष 2022 में सरकारों द्वारा ऐतिहासिक 'कुनमिंग-मॉन्ट्रियल बायो-डायवर्सिटी फ्रेमवर्क' के तहत अपनाया गया '30 बाय 30' लक्ष्य यह मानता है कि प्रकृति का संरक्षण सार्वजनिक हितों से जुड़ी सुविधाएं मुहैया कराने में बुनियादी अहमियत रखता है। '30 बाय 30' लक्ष्य की दिशा में दुनिया ने बीते चार वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 'कैम्पेन फॉर नेचर' के नए विश्लेषण से पता चलता है कि अब भूमि और देशों की सीमाओं के भीतर स्थित जल क्षेत्रों (इनलैंड वॉटर्स) के 20फीसदी हिस्से को 'प्रोटेक्टेड या कंजर्व्ड' के तौर पर निर्धारित कर दिया गया है। मौजूदा प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह लागू किया तो 2030 तक यह हिस्सा बढ़कर लगभग 27फीसदी हो सकता है, जो लक्ष्य के काफी करीब होगा। हालांकि समुद्र के मामले में प्रगति काफी धीमी रही है। महासागरों के केवल 10फीसदी हिस्से को औपचारिक रूप से संरक्षण के लिए निर्धारित किया गया है। मौजूदा प्रतिबद्धताओं के अनुसार 2030 तक यह हिस्सा 12फीसदी तक ही बढ़ पाएगा। इससे भी बुरा यह है कि 'दुगेदर फॉर द ओशन' की ताजा रिपोर्ट के अनुसार समुद्र के केवल 3.5फीसदी हिस्से को ही प्रभावी रूप से संरक्षित माना गया है। '30 बाय 30' लक्ष्य हासिल करने के लिए अब केवल चार साल बचे हैं। लेकिन फिर भी दुनिया के पास इस लक्ष्य को पूरा करने का अवसर है। यह इस दशक की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिबद्धताओं में से एक है। लेकिन सवाल है कि बीते समय की भरपाई के लिए हमें क्या करना होगा? सबसे पहले तो यही कि सरकारों को प्रकृति के संरक्षण के लिए वित्तीय सहायता में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी करनी होगी। '30 बाय 30' लक्ष्य को पूरा करने के लिए हर साल लगभग 100 से 180 अरब डॉलर की जरूरत होगी, जबकि फिलहाल इस दिशा में सालाना केवल 24 अरब डॉलर खर्च किए जा रहे हैं। हमें समझना होगा कि यह खर्च महज लागत नहीं, बल्कि एक निवेश है। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,मैरी रॉबिन्सन)

'मेरा बेटा इंजीनियर बनेगा!' पर उसके बाद क्या करेगा?

माइक्रोसॉफ्ट ने हाल ही में अपने लगभग 60 हजार कर्मचारियों को स्वैच्छिक रूप से नौकरी छोड़ने के बदले विशेष पैकेज देने की पेशकश की है। जरूरी नहीं कि ये सभी कर्मचारी नौकरी छोड़



दें, लेकिन यह खबर अपने आप में चौंकाने वाली है। हमारे देश में भी टेक सेक्टर- जो लंबे समय से नई नौकरियां पैदा करने के सबसे भरोसेमंद स्रोतों में से एक रहा है- चिंताजनक रुझान दिखा रहा है। स्टाफिंग कंपनी हान डिजिटल के अनुसार, भारत के आईटी-बीपीएम क्षेत्र में भर्ती किए नए स्नातकों की संख्या 2021-22 में अनुमानित 4 लाख से घटकर 2025-26 में 1.75 लाख रह गई। तकनीकी उद्योग में सृजित नई नौकरियों की संख्या भी 2021-22 के 4.45 लाख से घटकर 2025-26 में 1.35 लाख रह गई। यह 70 प्रतिशत की गिरावट है। और इसके बावजूद भारतीय मध्यवर्ग का अपने बच्चों को इंजीनियर बनाने का सपना कम नहीं हो रहा। एडकॉम रिसर्च द्वारा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के आधिकारिक डैशबोर्ड के आंकड़ों के आधार पर किए विश्लेषण के अनुसार, इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में नए दाखिलों की संख्या 2021-22 के 9.2 लाख से बढ़कर 2025-26 में 13.5 लाख हो गई। जबकि आज यह स्थिति है कि इंजीनियरिंग में दस दाखिले होते हैं, तब जाकर एक को टेक-सेक्टर की नौकरी मिलती है। बेशक, इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने वाला हर स्नातक आईटी सेक्टर में नौकरी नहीं करता। लेकिन पहले यह क्षेत्र इंजीनियरिंग स्नातकों के बड़े हिस्से को रोजगार देता था। अब आईटी सेक्टर में जॉब की संभावनाएं घट रही हैं। और इसके बावजूद इंजीनियरिंग में दाखिले लगातार बढ़ रहे हैं। 'मेरा बेटा इंजीनियर बनेगा!' वाला सपना आज भी जिंदा है। कोई भी यह नहीं पूछ रहा कि 'उसके बाद क्या करेगा?' आईटी में नए स्नातकों के लिए जो थोड़ी-बहुत नौकरियां बची हैं, उनमें वेतन कोई खास आकर्षक नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की बड़ी आईटी सेवा कंपनियों में नए कर्मचारियों को मिलने वाला सामान्य शुरुआती वेतन वर्षों से तीन से चार लाख रुपये सालाना के आसपास बना हुआ है। यह समस्या केवल आईटी क्षेत्र तक सीमित नहीं है। दफ्तरों में काम करने वाले पेशेवरों के रोजगार से जुड़े कई दूसरे उद्योग भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। इसकी वजह यह है कि नए कर्मचारियों को आमतौर पर जो काम सौंपे जाते हैं, वे अपेक्षाकृत तयशुदा प्रक्रियाओं पर आधारित होते हैं। और इन्हें एआई बड़ी आसानी से कर सकता है। मिसाल के तौर पर, एआई सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में बुनियादी कोडिंग, डीबगिंग, टेस्टिंग जैसे काम कर सकता है। कानूनी क्षेत्र में अनुबंधों की समीक्षा और मुकदमों से संबंधित शोध कर सकता है। कंसल्टिंग क्षेत्र में प्रजेंटेशन तैयार कर सकता है और ग्राहक सेवा में रोजमर्रा के सवालों के जवाब दे सकता है। इसका दूसरा पहलू भी है। जब आज के वरिष्ठ कर्मचारी सेवानिवृत्त होंगे, तब उनकी जगह लेने के लिए पर्याप्त अनुभवी कर्मचारी नहीं होंगे। अगर आप नए स्नातकों को नौकरी ही नहीं देंगे, तो उन्हें काम का अनुभव कैसे मिलेगा?आर्थिक उदारीकरण के बाद से भारतीय परिवार सफलता के एक जाने-पहचाने फॉर्मूले पर चलते आए हैं। मन लगाकर पढ़ाई करो। अच्छे अंक लाओ। अच्छे कॉलेज में दाखिला लो। डिग्री हासिल करो। कैम्पस प्लेसमेंट में नौकरी पाओ। वेतन कमाओ और आत्मनिर्भर बन जाओ। लेकिन अब एआई ने इस दौड़ के नियम बदल दिए हैं। ऐसे में हमें अपनी सोच और करियर की योजना में बदलाव लाने होंगे। पहला बदलाव यह कि हर दिन एक घंटा एआई की दुनिया में हो रहे नए डेवलपमेंट्स को समझने में लगाएं। इस क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों की गतिविधियों पर नजर रखें। नवीनतम एआई टूल्स का इस्तेमाल करके कुछ प्रोडक्टिव काम करें। इस उभरती इंडस्ट्री के अनुरूप स्किल्स विकसित करें। आने वाले समय में एआई का क्षेत्र बड़ी तादाद में नई नौकरियां पैदा करने वाला है। दूसरे, इंजीनियरिंग की डिग्री पाने का जुनून छोड़ें। पहले इंजीनियरिंग की डिग्री आपको नौकरी और प्रतिष्ठा दिलाती थी, लेकिन अब इसकी गारंटी नहीं रह गई है। और तीसरे, ब्लू-कॉलर जॉब्स को हिकारत की नजर से ना देखें। हर कोई ऑफिस में बैठकर काम करने वाली नौकरी करना चाहता है, जबकि यही नौकरियां एआई के कारण सबसे अधिक खतरे में हैं। हम ऐसे दौर की ओर बढ़ रहे हैं, जब एक प्लम्बर की नौकरी किसी प्रोग्रामर की नौकरी से ज्यादा सुरक्षित है। खुद ही सोचें कि बेहतर स्थिति में कौन है? हर महीने 80 हजार कमाने वाला एक ऑटोमोबाइल रिपेयर टेक्नीशियन या इंजीनियरिंग की डिग्री लेकर घर में बैठा बेरोजगार नौजवान? एआई क्रांति हमें यह सबक सिखाने जा रही है कि अपने हाथों से काम करना कम्प्यूटर पर काम करने से कमतर नहीं है। जो बात मायने रखती है, वो ये है कि आपके पास कोई उपयोगी हुनर हो, आप उसमें दक्ष हों और उसके जरिये सम्मानजनक आजीविका कमा सकें। (ये लेखक के अपने विचार हैं,चेतन भगत)

दिवाली मिलन ट्रेंड : लोग खाने का ओरिजिन जानना पसंद कर रहे हैं

क्या आपने कभी 'मैंगो स्वीट राइस आइसक्रीम' नाम के डेजर्ट के बारे में सुना है या किसी को अपने पूरे मेन्यू को 'ब्यूटिरिशन' (ब्यूटी और न्यूट्रिशन को मिलाकर बना शब्द) कहते सुना है? अगर नहीं, तो इस लेख को ध्यान से पढ़िए और जानिए कि 2026 की



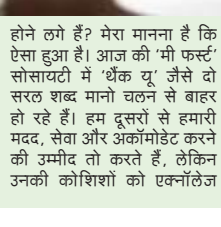
दिवाली के लिए अमीरों के बीच फूड सेगमेंट को लेकर क्या ट्रेंड चल रहा है। मेरे जैसे लोग जहां नए कपड़े और मिठाइयां खरीदने के लिए अगले महीने की सैलरी का इंतजार कर रहे हैं, वहीं अमीरों की रसोइयों में इस बात पर 'डाइनरमीट' चल रही होगी कि दिवाली मिलन पर मेहमानों के लिए किस तरह का खास मेन्यू तैयार करें। 'डाइनरमीट'- यह शब्द मैंने बनाया है, जिसका अर्थ है मेन्यू पर चर्चा के लिए मीटिंग। दिलचस्प तौर पर इन बैठकों में फूड एडवाइजर, फूड साइंटिस्ट, फूड एक्सपर्ट, फूड क्यूरेटर, फूड एंबेसडर और फूड डेकोरेटर समेत कई लोग होते हैं। इन सभी को मिलाकर 'ट्रेंड्स काउंसिल' कहा जाता है और अमेजन के स्वामित्व वाली ग्रोसरी रिटेलर कंपनियां उन्हें काम पर भी रखती हैं। ये पेशेवर सिर्फ इंग्रीडिएंट्स पर ही चर्चा नहीं करते, बल्कि प्रीबायोटिक सोडा, खाने की चीजों में ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन-डी की मात्रा पर भी बात करते हैं। पहले वे इंटिंग हैबिट्स के ट्रेंड डिस्कस करते हैं और फिर नए फ्लेवर और टेक्सचर कॉम्बिनेशन बनाने के लिए खाने की चीजों के साथ प्रयोग करते हैं। इस तरीके को 'डिश रीइन्वेंशन' (ब्यूटी और न्यूट्रिशन को मिलाकर बना शब्द) कहते सुना है? अगर नहीं, तो इस लेख को ध्यान से पढ़िए और जानिए कि 2026 की दिवाली के लिए अमीरों के बीच फूड सेगमेंट को लेकर क्या ट्रेंड चल रहा है। मेरे जैसे लोग जहां नए कपड़े और मिठाइयां खरीदने के लिए अगले महीने की सैलरी का इंतजार कर रहे हैं, वहीं अमीरों की रसोइयों में इस बात पर 'डाइनरमीट' चल रही होगी कि दिवाली मिलन पर मेहमानों के लिए किस तरह का खास मेन्यू तैयार करें। 'डाइनरमीट'- यह शब्द मैंने बनाया है, जिसका अर्थ है मेन्यू पर चर्चा के लिए मीटिंग। दिलचस्प तौर पर इन बैठकों में फूड एडवाइजर, फूड साइंटिस्ट, फूड एक्सपर्ट, फूड क्यूरेटर, फूड एंबेसडर और फूड डेकोरेटर समेत कई लोग होते हैं। इन सभी को मिलाकर 'ट्रेंड्स काउंसिल' कहा जाता है और अमेजन के स्वामित्व वाली ग्रोसरी रिटेलर कंपनियां उन्हें काम पर भी रखती हैं। ये पेशेवर सिर्फ इंग्रीडिएंट्स पर ही चर्चा नहीं करते, बल्कि प्रीबायोटिक सोडा, खाने की चीजों में ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन-डी की मात्रा पर भी बात करते हैं। पहले वे इंटिंग हैबिट्स के ट्रेंड डिस्कस करते हैं सिर्फ कंपनियां ही अपने बोर्डरूम में नहीं कर रही हैं, बल्कि अमीरों की रसोइयों में भी इस आइडिया को फॉलो किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 2015 में हुई थी, जब ट्रेंड्स काउंसिल के सदस्यों ने अपने प्रिडिक्शन देना शुरू किया और यह इंडस्ट्री प्रैक्टिस बन गया। चूंकि ग्राहक यह जानना पसंद करते हैं कि उनका खाना कहां से आया है, इसलिए अमीर परिवारों ने भी मेहमानों को अपनी बनाई चीज दिखाने और उसके बारे में समझाने के लिए यह स्टाइल अपना ली। 'ब्यूटिरिशन' भी ऐसा ही एक ट्रेंड है, जिसमें मेजबान मेन्यू के बारे में बताते हैं कि इसमें कोलेजन, एंटीऑक्सीडेंट्स, फायदेमंद फैट और उस हाइड्रेशन की मात्रा कितनी है, जो आपकी स्किन को निखार सकता है। मुझे जिस डेजर्ट ने आकर्षित किया, वह थी 'मैंगो स्वीट राइस आइसक्रीम'। इसे बनाने के लिए शेफ पके हुए, गर्म और चिपचिपे चावल लेते हैं, जिन्हें अकसर 'स्वीट राइस' कहा जाता है। हालांकि, न तो ये चावल मीठे होते हैं और न ही इनमें ग्लूटेन होता है। फिर इन्हें सॉफ्ट करने के लिए इनमें कोकोनट मिल्क मिलाते हैं। दोनों को मिक्सर में डालकर चावल को एकदम मुलायम और सिल्की प्यूरी जैसा बना लिया जाता है। इसमें बेहतर रंग और मीठेपन के लिए पके और फ्रेश हनी मैंगो मिलाए जाते हैं। इसे दुबारा मिक्सर में चलाते हैं। फिर डेकोरेटर प्यूरी को एक शेप देने के बाद उस पर पिस्ता या रोस्टेड बादाम के पतले और करीने से कटे टुकड़े छिड़कता है। इसे जमने में पूरा एक दिन लगता है और अगले दिन आप इसे खोलकर 'मैंगो स्वीट राइस आइसक्रीम' निकाल सकते हैं। मेरे लिए यह बिना आइसक्रीम मशीन के बेहतरीन आइसक्रीम बनाने का पहला अनुभव था। आजकल कड़वे इंग्रीडिएंट्स ज्यादा चलन में हैं। ग्राहक और मेहमान कड़वे इंग्रीडिएंट्स की ओर ज्यादा आकर्षित होते दिख रहे हैं। शायद डाइजेस्टिव वेलनेस पर बढ़ते फोकस के कारण ऐसा है। ऐसे में नॉन-अल्कोहॉलिक कॉकटेल और ब्रोकली रेबे व डैंडेलियन ग्रीन्स जैसी कड़वी हरी सब्जियां परोसी जा रही हैं। ब्रोकली रेबे इटली की एक पारंपरिक पत्तेदार सब्जी है, जिसका संबंध शलजम फैमिली से है। इसमें नरम डंठल और ब्रोकली जैसी छोटी-छोटी कलियां होती हैं। इसका फ्लेवर बोल्ड, नटी और हल्का कड़वा होता है, जिसे संतुलित करने के लिए इसमें पर्याप्त लहसुन और ऑलिव ऑइल मिलाते हैं।डैंडेलियन ग्रीन्स सूरजमुखी परिवार की देहाती, पत्तेदार सब्जी है। यह अपने तीखे, मिर्चीदार स्वाद और मिट्ठी जैसी कड़वाहट के लिए जानी जाती है, जिसे सीजनिंग और एसिडिक चीजें मिला कर हल्का किया जाता है। अब बीन्स, चने और फलियां सिर्फ साइड डिशेज नहीं रह गए हैं।आजकल ये डिनर में प्रोटीन और फाइबर-रिच डाइट के तौर पर बहुत योगदान दे रहे हैं। फंडा यह है कि इस साल अपने दिवाली मिलन को ट्रेंडी बनाने के लिए मेहमानों को परोसे जाने वाले खाने की बायोलॉजी और हिस्ट्री को समझें। लेकिन याद रखिए कि डाइनर्स को हमेशा ऐसी सिंपल इंग्रीडिएंट लिस्ट ही पसंद आएंगी, जिन्हें शानदार नाम दिए जा सकें। एन. रघुरामन

क्या सस्ते इथेनॉल से मक्का किसानों को नुकसान,टूटे चावल पर बढ़ेगी निर्भरता, नई खरीद नीति से खाद्य सुरक्षा पर चिंता

तेल विपणन कंपनियों ने इथेनॉल स्पलाई ईयर 2026-27 के लिए 1100 करोड़ लीटर इथेनॉल की खरीद के टेंडर जारी किए हैं। हालांकि, खरीद की इस व्यवस्था से भारत की कृषि प्राथमिकताओं, खाद्य सुरक्षा और लंबे समय के औद्योगिक विकास को लेकर कई बुनियादी सवाल खड़े होते हैं। टेंडर से गन्ने के रस, चीनी के घोल और बी-हैवी शीरे (चीनी बनाने के दौरान निकलने वाला गाढ़ा, चिपचिपा और मीठा तरल पदार्थ) को बाहर रखा गया है। ऐसे में अब इथेनॉल की लगभग पूरी जरूरत अनाज से बने इथेनॉल से पूरी करनी होगी। इसमें सी-हैवी शीरे और दूसरे मंजूर स्रोतों का सीमित योगदान रहेगा। पिछले साल गन्ने से बनने वाले इथेनॉल के लिए शुरुआती तौर पर करीब 289 करोड़ लीटर की खरीद तय की गई थी। अब इस बड़ी मांग को दूसरे स्रोतों, खासकर अनाज की ओर मोड़ना होगा। उत्पादन क्षमता ज्यादा लेकिन जरूरत कम, इससे कम कीमत में बिकेगा इथेनॉल इथेनॉल की जरूरत 1100 करोड़ लीटर है, जबकि इंडस्ट्री की उम्मीद है कि सप्लायर इससे दोगुने से भी ज्यादा इथेनॉल बनाने की क्षमता की पेशकश कर सकते हैं। टेंडर में अलग-अलग कच्चे माल से बनने वाले इथेनॉल के लिए अलग-अलग खरीद कीमतें तय की गई हैं। जरूरत से ज्यादा इथेनॉल की पेशकश होने पर कंपनियों के बीच टेंडर पाने के लिए कड़ी होड़ होगी। ऐसे में कम कीमत वाली श्रेणियां बनाने वालों के लिए ज्यादा आकर्षक हो सकती हैं, भले ही उस कीमत पर इथेनॉल बनाने का खर्च निकालना मुश्किल हो। सस्ता इथेनॉल बनाने के लिए टूटे चावल का इस्तेमाल बढ़ेगा- भारतीय खाद्य निगम के पास चावल कम होने के कारण खराब अनाज, खासकर टूटे चावल से इथेनॉल बनाने का काम बढ़ सकता है। इससे बनने वाले इथेनॉल की खरीद कीमत 64 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, मक्का से बने इथेनॉल की कीमत 68.86 रुपये प्रति लीटर है। इंडस्ट्री को उम्मीद है कि खराब अनाज और टूटे चावल से बनने वाले इथेनॉल की मात्रा पिछले साल के करीब 80 करोड़ लीटर से बढ़कर 700 करोड़ लीटर से ज्यादा हो सकती है। इससे एक सीधा सवाल उठता है: टूटे चावल की इतनी बड़ी मात्रा आखिर आएगी कहां से? भारत की जैव-ईंधन नीति के तहत, खराब अनाज में टूटे हुए चावल और इंसानों के खाने के अयोग्य अनाज शामिल हैं।

क्या 'हार्डशिप कैम्प' में बच्चे मेहनत का महत्व सीखते हैं?

हममें से अधिकांश ने अपने आसपास ऐसे कई बच्चे देखे होंगे, जिन्होंने कभी खाना बनाने में हाथ नहीं बंटाया। कुछ बच्चों को इतने लाड़-प्यार से पाला जाता है कि उन्होंने कभी अपना कमरा तक साफ नहीं किया होता है। इसकी वजह यह है कि बहुत-से माता-पिता यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं कि उनके बच्चों को उन मुश्किलों का सामना न करना पड़े, जिनसे वे खुद गुजरे हैं। वे अपने बच्चों को अच्छा भोजन, आरामदेह घर, महंगे गैजेट्स, ट्रांसपोर्ट और हरसम्भव सुख-सुविधाएं मुहैया कराते हैं। लेकिन इस सब के चलते ऐसा भी हो सकता है कि बच्चे इन सुविधाओं को किसी की मेहनत का परिणाम मानने के बजाय अपना अधिकार समझने लगें। अब मैं आपको एक ऐसे शिविर में लिए चलता हूं, जो ऊपर वर्णित दृश्य से बिल्कुल उलट है। यहां आपको दस साल का एक बच्चा पोटेटो-फार्म में खुदाई करके आलू निकालता दिखाई देगा। सात साल का एक बच्चा पिग-फार्म में चारा



ले जा रहा होगा। पंद्रह साल का किशोर घोड़े को नहलाकर अस्तबल की सफाई कर रहा होगा। यहां छह से सोलह साल तक के बच्चों को जानवरों का गोबर साफ करते, जलाऊ लकड़ियां काटते और यहां तक कि साधारण भोजन पकाते भी देखा जा सकता है। पूरे महीने इतनी मेहनत करने के बावजूद इन बच्चों को इसके बदले कोई भुगतान नहीं किया जाता। उलटे, उनके माता-पिता उन्हें ऐसे 'हार्डशिप कैम्प' में भेजने के लिए डेढ़ लाख रुपये तक चुकाते हैं। ये शिविर मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिमी चीन के ग्रामीण इलाकों में चलाए जाते हैं। अपने बच्चों को मेहनत और पैसों का महत्व सिखाने की इच्छा रखने वाले चीनी पैरेंट्स में इस तरह के शिविरों के प्रति दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। अब सवाल यह है कि क्या पैरेंट्स अपने बच्चों को मुश्किलों से बचाने में इतने सफल हो गए हैं कि अब उन्हें वे तमाम सबक सिखाने के लिए दूसरों को पैसे देने पड़ रहे हैं, जो कभी साधारण जीवन अपने आप और मुफ्त में सिखा देता था? इसका जवाब है- हां। यही वजह है कि माता-पिता अपने लाड़ले बच्चों को प्रोग्राम्स में भेज रहे हैं। सिचुआन, गुइझोउ और युन्नान जैसे इलाकों में आयोजित होने वाले इन शिविरों में शहरों के बच्चों को ग्रामीण जीवन का अनुभव कराया जाता है।

अच्छे मैनर्स ही दुनिया की सीक्रेट चाबियां हैं

हममें से ज्यादातर को याद होगा कि हम परिवार के साथ डिनर टेबल पर बैठ कर आंखें बंद किए उन प्रार्थनाओं को दोहराते थे, जिन्हें



पिताजी बोलते थे। जब हम पूछते कि इन प्रार्थनाओं का मतलब क्या है तो वे समझाते कि यह ईश्वर के प्रति धन्यवाद जताने का तरीका है, जिसने परिवार को इकट्?ठा होकर शांति से भोजन करने में मदद की। बचपन में हमने आभार जताना सीखा। आज भी हम अपने बच्चों को थैंक यू कहने की अहमियत सिखाते हैं। लेकिन समय के साथ क्या रोजमर्रा की जिंदगी में ये सहज शब्द गायब होने लगे हैं? मेरा मानना है कि ऐसा हुआ है। आज की 'मी फर्स्ट' सोसायटी में 'थैंक यू' जैसे दो सरल शब्द मानो चलन से बाहर हो रहे हैं। हम दूसरों से हमारी मदद, सेवा और अकॉमोडेट करने की उम्मीद तो करते हैं, लेकिन उनकी कोशिशों को एक्नॉलेज करना भूल जाते हैं। कॉमेडियन और लेखिका एमी पोहलर अपनी किताब 'यस प्लीज' में एक बेहतरीन रिमाइंडर पेश करती हैं। वे लिखती हैं कि 'अच्छे मैनर्स ही दुनिया की सीक्रेट चाबियां हैं।' वे समझाती हैं कि क्यों वे चाहती हैं कि उनके बच्चे पोलाइट बनें। अच्छे मैनर्स का मतलब महज सामाजिक नियमों का पालन करना नहीं है। इससे हमें अच्छे रिश्ते बनाने और सबकी जिंदगी अधिक बेहतर बनाने में मदद मिलती है। एग्जीक्यूटिव कोच और लेखक पीटर ब्रेगमैन ने 'हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू' में आभार जताने के महत्व को एक्सप्लोर किया है। वे कहते हैं कि थैंक यू कहना किसी के प्रयास, थॉटफुलनेस और कार्य को ही नहीं, बल्कि उस प्रयास के पीछे मौजूद व्यक्ति को भी स्वीकार करना है। ऐसी रिकॉग्निशन देना किसी को महसूस करा सकता है कि उसका योगदान मायने रखता है। अपने काम से कई पीढ़ियों को प्रभावित करने वाली शिष्टाचार विशेषज्ञ एमिली पोस्ट ने दूसरों का ख्याल रखने और खुद का सम्मान करने पर जोर दिया था।मैनर्स का मतलब यही नहीं कि डिनर टेबल पर हम किस कांटे का इस्तेमाल करते हैं या औपचारिक डाइनिंग रूल्स का कितना बेहतर पालन करते हैं। उनका मतलब है कि हम लोगों को कैसे ट्रीट करते हैं। रोजमर्रा की कुछ स्थितियों पर गौर कीजिए, जहां विनम्रता फर्क ला सकती है। गेट खोलने वाले सिक्योरिटी गार्ड, आसपास की जगह साफ रखने वाले हाउसकीपिंग कर्मचारी, समय पर काम निपटाने में मदद करने वाले सहकर्मी या आपके लिए दरवाजा खुला रखने वाले किसी अनजान व्यक्ति को थैंक यू कहिए। कोई चीज मांग रहे हैं तो 'प्लीज' कहिए। गलती करें तो माफी मांगिए। बीच



में काटे बिना किसी की बात सुनिए। इन छोटी-छोटी बातों में कुछ खर्च नहीं होता, लेकिन ये किसी का दिन बना सकती हैं। या फिर, क्या बदले में थोड़ी-सी एक्नॉलेजमेंट की उम्मीद करना हमारी छोटी सोच है? हम बड़े शहरों में रहते हैं और छोटे शहर भी तेजी से बढ़ रहे हैं। लोग एक से दूसरी जगह भाग रहे हैं। उनकी नजरें फोन पर या कानों में ईयरबड्स होते हैं। हो सकता है कि वे सचमुच व्यस्त हों। फिर भी मेरा सवाल है कि किसी के दयालुता भरे छोटे-से कार्य को स्वीकार करने में आखिर मुश्किल क्या है? कल्पना कीजिए कि आप किसी अनजान व्यक्ति के लिए दरवाजा खुला रखते हैं, ताकि वह उसके मुंह पर बंद न हो। लेकिन वह बिना थैंक यू कहे, बिना मुस्कुराए और यहां तक कि बिना सिर हिलाए निकल जाए। उस छोटे-से जेस्चर के लिए धन्यवाद कहने में बमुश्किल एक सेकंड लगता है। क्या हम अपनी भागदौड़ में खुद को इतना महत्वपूर्ण समझने लगे हैं कि किसी दूसरे इंसान के लिए एक सेकंड भी नहीं निकाल सकते? इन जेस्चर्स में कुछ खर्च नहीं होता, लेकिन इनकी गैरमौजूदगी लोगों को महसूस करा सकती है कि उस इंसान का कोई महत्व नहीं है। मैनर्स की असली परीक्षा यह नहीं कि हम किसी प्रभावशाली व्यक्ति को कितनी विनम्रता से ट्रीट करते हैं, बल्कि यह है कि हम उस व्यक्ति से कैसा व्यवहार करते हैं, जिससे बदले में कुछ मिलने की उम्मीद नहीं है। हो सकता है कि दरवाजा खुला रखने वाला व्यक्ति किसी तारीफ की उम्मीद न कर रहा हो।लेकिन आपका छोटा-सा एक्नॉलेजमेंट उन्हें बता देता है कि उनकी विचारशीलता नोटिस कर ली गई है। गुड मैनर्स का मतलब आभार की उम्मीद करना नहीं, बल्कि यह है कि हम दयालुता को हल्के में न लें।

फंडा यह है कि एक-दूसरे के प्रति आभार जताना उन इंसानों के तौर पर हमारी बुनियादी जिम्मेदारी है, जो दूसरे इंसानों के साथ एक समुदाय में रहते हैं। दरअसल, मैं अपने सभी पाठकों से कहना चाहता हूं कि 'मेरा लेख पढ़ने के लिए आपका थैंक यू।' एन. रघुरामन

अमेरिका यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचेगा,यूरोप-कनाडा उठाएंगे पूरा खर्च-जेलेंस्की ने हर महीने 100 मिसाइलें मांगीं

वॉशिंगटन डीसी।यूरोपीय संघ के मुताबिक, यूक्रेन की सुरक्षा और



यूरोप की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हैं।इसलिए वह यूक्रेन को सिर्फ हथियार ही नहीं, बल्कि आर्थिक मदद, सैन्य प्रशिक्षण और अपने यहां हथियार बनाने की क्षमता बढ़ाने में भी मदद कर रहा है।पुतिन ने यूरोप को चेतावनी दी थी- रूस से टकराव मंहगा पड़ेगाः- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोपीय देशों को चेतावनी दी है कि रूस से टकराव बढ़ाना उनके लिए महंगा पड़ सकता है। पुतिन ने कहा कि रूस यूरोप के साथ युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर कोई देश उससे टकराव करता है तो उसे इसके नतीजों के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तनाव बहुत ज्यादा बढ़ा तो किसी की जीत नहीं होगी। कनाडा ने यूक्रेन को सैन्य मदद जारी रखने का वादा कियाः-कनाडा भी यूक्रेन की सैन्य और आर्थिक मदद कर रहा है। कनाडा सरकार के मुताबिक, 2022 से अब तक उसने यूक्रेन के लिए 25.5 अरब कनाडाई डॉलर से ज्यादा की आर्थिक, सैन्य और मानवीय मदद देने का वादा किया है। कनाडा ने अपना सैन्य प्रशिक्षण मिशन ऑपरेशन यूनिफायर 2029 तक बढ़ा दिया है। इसके तहत कनाडा यूक्रेनी सैनिकों को ट्रेनिंग देगा और उन्हें हथियार, गोला-बारूद और दूसरे सैन्य उपकरण उपलब्ध कराएगा। 10 सितंबर 2026 को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और जेलेंस्की की मुलाकात के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि कनाडा यूक्रेन की एयर डिफेंस मजबूत करने और मिसाइलों की कमी दूर करने में मदद करेगा। दोनों देशों ने मिलकर ड्रोन, ड्रोन रोकने वाले सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण और गोला-बारूद बनाने की योजना भी बनाई है। इसके लिए तकनीक और रिसर्च में भी सहयोग किया जाएगा।

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव की शुरुआती वोटिंग-रिपब्लिकन पार्टी पीछे,ट्रम्प ने 30 राज्यों की वोटर लिस्ट मंगवाई

वॉशिंगटन डीसी।आशंका है कि सरकार इमिग्रेशन एजेंसी



आईसीई और एफबीआई के जरिए ऐसे लोगों पर दबाव बना सकती है। महंगाई और रोजगार से नाराज हैं वोटरः-ट्रम्प सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों की नाराजगी है। रॉयटर्स-इप्सोस सर्वे के मुताबिक- महंगाईः 65फीसदी वोटर ट्रम्प के आर्थिक फैसलों से नाराज हैं। इमिग्रेशनः 48फीसदी वोटरों का मानना है कि सख्त इमिग्रेशन नीतियों से अमेरिका को नुकसान हो रहा है। रोजगारः 45फीसदी वोटरों का कहना है कि नौकरी के मौके कम हो रहे हैं। ओबामा और कमला हैरिस भी प्रचार में जुटेः- डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने चुनाव प्रचार की कमान संभाली है। वे अब तक 50 से ज्यादा चुनावी सभाएं कर चुके हैं। कैलिफोर्निया और टेक्सास जैसे राज्यों में ओबामा काफी लोकप्रिय हैं। भारतवंशी पूर्व उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी चुनावी सभाएं बढ़ा दी हैं। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में वे ट्रम्प के खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार थीं। मिडटर्म चुनाव में अगर रिपब्लिकन पार्टी हार जाती है तो भी ट्रम्प राष्ट्रपति बने रहेंगे। उनका कार्यकाल 2028 तक है। हालांकि, संसद में बहुमत नहीं रहने पर उनके लिए अपनी नीतियों को लागू करना मुश्किल हो जाएगा। टैरिफ, वीजा और इमिग्रेशन जैसे मुद्दों पर फैसले लेने में भी उन्हें संसद के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कार्यकाल के बाकी दो साल वे कमजोर राष्ट्रपति बनकर रह सकते हैं। अमेरिकी राजनीति में ऐसी स्थिति को 'लेम डक' कहा जाता है। अगर ट्रम्प की पार्टी हारी तो डेमोक्रेट्स उसके खिलाफ और मुखर हो सकते हैं। विपक्षी नेता उनके खिलाफ महाभियोग लाने की बात पहले ही कह चुके हैं। अगर संसद में डेमोक्रेट्स को जरूरी संख्या में सीटें मिलती हैं तो ट्रम्प के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिका में करीब 17 करोड़ वोटर हैं। इनमें भारतीय मूल के करीब 25 से 26 लाख लोग वोट देने के योग्य हैं। कार्नेगी एंडोमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा करीब 4.16 लाख भारतीय मूल के वोटर हैं। इसके बाद टेक्सास, न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क का नंबर आता है।2024 के एक सर्वे में 60फीसदी भारतीय मूल के वोटरों ने कमला हैरिस और 31फीसदी ने ट्रम्प को समर्थन देने की बात कही थी।

अमेरिका ने जानकारी लीक करने वाले अफसर को हटाया-जांच के दौरान जुर्म कबूला,ईरान-यूक्रेन युद्ध से जुड़े गोपनीय दस्तावेज लीक किया था

वाशिंगटन डीसी। अमेरिकी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल ब्रेट



सिल्विया को पद से हटाने की वजह सामने आई है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने उन्हें पत्रकारों को गोपनीय जानकारी लीक करने के आरोप में हटाया था। यह मामला रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान युद्ध से जुड़ा है। सिल्विया ने जांच के दौरान पत्रकारों को गोपनीय जानकारी देने की बात स्वीकार की थी। सिल्विया को 28 अक्टूबर को पद से हटाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2025 से करीब एक साल तक उन्होंने दो अलग-अलग मीडिया संस्थानों के पत्रकारों से संपर्क रखा और उन्हें गोपनीय जानकारी दी। दोनों मीडिया संस्थानों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। लीक हुई जानकारी का पूरा ब्योरा सामने नहीं आया है। अब तक जांच से जुड़ी रिपोर्टों 4 अहम बातें सामने आई हैं:1. यूक्रेन को अमेरिकी सैन्य मदद की जानकारी दीः सिल्विया ने एक पत्रकार को गोपनीय सैन्य रिपोर्ट में दर्ज अमेरिका की ओर से यूक्रेन को दी जा रही मदद की जानकारी बताई थी। इसके लिए उन्होंने रिपोर्ट पढ़ते समय बनाए गए नोट्स का इस्तेमाल किया। उन्होंने पत्रकार को ये बातें लिखित दस्तावेज देने के बजाय आमने-सामने मुलाकात में बताई थीं। हालांकि, हथियारों के नाम, उनकी संख्या और सप्लाई से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई है। 2. ईरान से जुड़े मैसेज की जांचः जांच में एक पत्रकार के साथ सिग्नल ऐप पर हुई बातचीत भी सामने आई। सिल्विया को जून या जुलाई 2026 में पत्रकार का एक मैसेज मिला था। उन्होंने जांच अधिकारियों को बताया कि उन्हें लगा था कि यह मैसेज ईरान से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि उन्हें बातचीत का सही ब्योरा याद नहीं है और मैसेज हटाते समय गलती से पूरी चैट भी डिलीट हो गई थी। अमेरिकी अधिकारियों को शक है कि उन्होंने जानबूझकर बातचीत मिटाई थी। हालांकि, मैसेज में क्या जानकारी थी, इसका खुलासा नहीं हुआ है। 3. यूक्रेन युद्ध पर किताब लिख रहे पत्रकार से दो बार मिलेः सिल्विया ने दो अलग-अलग मीडिया संस्थानों के पत्रकारों से संपर्क रखा था। इनमें से एक पत्रकार यूक्रेन युद्ध पर किताब लिख रहा था। सिल्विया उससे दो बार मिले थे। 4. सिग्नल ऐप से बातचीत और बाहर मुलाकातः सिल्विया पत्रकारों से संपर्क के लिए सिग्नल ऐप का इस्तेमाल करते थे। एक पत्रकार की पेंटागन में एंट्री बंद होने के बाद उन्होंने उससे वर्जीनिया के सिल्वर डाइनर रेस्तरां में मुलाकात की। पॉलीग्राफ टेस्ट में 4 बार फेल हुए, फिर जानकारी देने की बात मानीः-एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, सिल्विया चार बार पॉलीग्राफ यानी झूठ पकड़ने वाले टेस्ट में फेल हुए थे। इसके बाद उन्होंने वीडियो रिकॉर्डिंग में पत्रकारों को गोपनीय जानकारी देने की बात स्वीकार की। पॉलीग्राफ टेस्ट में व्यक्ति के झूठ बोलने का पता लगाने के लिए उसकी सांस, दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर जैसे बदलावों को मापा जाता है। जांच के दौरान उन्होंने अपना निजी फोन भी अधिकारियों को दिया, ताकि पत्रकारों के साथ हुई बातचीत की जांच की जा सके। हालांकि, पॉलीग्राफ टेस्ट को किसी के झूठ बोलने का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जाता। ईरान युद्ध के दौरान हथियारों की कमी की खबरें भी आईं:-सिल्विया का मामला ऐसे समय सामने आया है, जब ईरान युद्ध में अमेरिकी हथियारों के भंडार और सैन्य तैयारियों को लेकर भी कई जानकारियां मीडिया में आई थीं। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, इन खबरों के बाद सेना के कई अधिकारियों की पॉलीग्राफ जांच कराई गई थी। रॉयटर्स ने 28 अक्टूबर को अमेरिकी सेना के आंतरिक आकलन के हवाले से बताया था कि ईरान युद्ध में इस्तेमाल किए गए हथियारों का भंडार दोबारा भरने में करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो सकते हैं। युद्ध पर अमेरिका का कुल खर्च 47 अरब डॉलर से ज्यादा बताया गया था। इसमें हथियारों की भरपाई, सैन्य अभियान और उपकरणों के नुकसान का खर्च शामिल है। पेंटागन ने लीक रोकने के लिए बनाया जांच दलः- गोपनीय जानकारी मीडिया तक पहुंचाने वाले अधिकारियों की पहचान के लिए पेंटागन ने जुलाई 2026 में अमेरिकी न्याय विभाग के साथ मिलकर एक जांच दल बनाया था।

रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने लीक करने वालों की पहचान करने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए अतिरिक्त संसाधन और कर्मचारी लगाने की घोषणा की थी।

इससे पहले पेंटागन ने रक्षा मामलों की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों के लिए प्रवेश और रिपोर्टिंग से जुड़े नियम सख्त किए थे। इसके विरोध में कई पत्रकारों और मीडिया संस्थानों ने अपने प्रेस पास लौटा दिए थे।

पुतिन की यूरोप को चेतावनी- रूस से टकराव महंगा पड़ेगा,बोले- बाल्टिक सागर में जहाजों की आवाजाही में दखल न दें

मॉस्को।यूरोप के कुछ नेताओं ने रूस से बातचीत करने के उनके



फैसले की आलोचना की थी। पुतिन ने कहा कि रूस और यूरोपीय देशों के बीच रिश्ते सुधारने के लिए बातचीत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि मॉस्को यूरोप के साथ संबंध बेहतर करने की कोशिशों के लिए तैयार है। यूरोप और रूस के बीच क्यों छिड़ा विवादः-1. समुद्र में रूसी जहाजों की नाकाबंदी- पश्चिम के प्रतिबंधों से बचने के लिए रूस बिना सही कागजात और पुरानी जहाजों से बाल्टिक सागर के रास्ते तेल बेचता है। यूरोपीय देश इन जहाजों को पर्यावरण और सुरक्षा का हवाला देकर समुद्र में रोकने और जांचने की कोशिश कर रहे हैं। रूस इसे अपने व्यापार पर सीधा हमला मान रहा है। 2. बाल्टिक सागर पर नाटो की निगरानीः-फिनलैंड और स्वीडन के नाटो में शामिल होने से बाल्टिक सागर के लगभग 90फीसदी किनारे नाटो देशों के नियंत्रण में आ चुके हैं। रूस को डर है कि उसके मुख्य समुद्री रास्तों (सेंट पीटर्सबर्ग और कलिनिनग्राद) को यूरोपीय देश कभी भी पूरी तरह बंद कर सकते हैं। 3. कूटनीतिक बातचीत पर यूरोपीय संघ में फूटः-फिनलैंड और नॉर्वे के नेताओं ने हाल ही में पुतिन से सीधी फोन पर बातचीत की थी। पोलैंड और कुछ यूरोपीय देशों ने इस बातचीत का विरोध किया। उनका मानना है कि युद्ध के दौरान पुतिन से बात करने से यूरोप की एकजुटता कमजोर पड़ती है। 4. समुद्र के नीचे जासूसी का डरः- यूक्रेन जंग के दौरान बाल्टिक सागर के नीचे बिछी इंटरनेट केबल और गैस पाइपलाइनों को कई बार नुकसान पहुंचा है। इसके बाद रूस और यूरोपीय देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। दोनों एक-दूसरे पर जासूसी और जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा रहे हैं।इससे इस इलाके में सैन्य तनाव भी बढ़ता जा रहा है। बाल्टिक सागर बंद होने का दुनिया पर असर, 4 पॉइंट्स में-1. नाकाबंदी हुई तो दुनियाभर में ईंधन महंगा होगा-बाल्टिक सागर से होकर दुनिया के बाज़ारों में रूस का लगभग 40फीसदी समुद्री तेल हर साल लगभग 5 लाख 70 हजार करोड़ रुपए गुजरता है। अगर इस रास्ते पर कोई नाकाबंदी होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कच्चे तेल के दाम तुरंत 690 रुपय से रु1,300 प्रति बैरल तक बढ़ सकते हैं। 2. माल ढुलाई की कीमतें बढ़ने का असर भारत तकः-तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से माल ढुलाई महंगी हो जाती है। इसका असर केवल यूरोप में ही नहीं, बल्कि भारत तक खाद्य पदार्थों, फर्टिलाइज़र और रोजमर्रा के सामानों की कीमतों पर पड़ता है। 3. शिपिंग इश्योरेंस महंगा होगाः- अगर बाल्टिक सागर में तनाव के चलते सुरक्षा जांच सख्त होती है या रास्ते ब्लॉक होते हैं, तो व्यापारी जहाजों को लंबे और महंगे रास्तों जैसे आर्कटिक या अन्य लंबे समुद्री मार्ग का इस्तेमाल करना पड़ेगा। इससे सामान पहुंचने में देरी होगी और शिपिंग इंश्योरेंस महंगा हो जाएगा।

4. बाल्टिक सागर में पर्यावरण का बड़ा खतराः-यूरोपीय देशों का कहना है कि रूस जिन पुराने जहाजों का इस्तेमाल कर रहा है, बाल्टिक सागर जैसे पतले और उथले समुद्री रास्ते में उनके टकराने या तेल का रिसाव होने का भारी खतरा है। ऐसा होने पर पूरे क्षेत्र का समुद्री इकोसिस्टम तबाह हो सकता है।

ट्रम्प की पार्टी के लिए वोट मांगते हुए मस्क बोले-2028 में डेमोक्रेट्स जीते तो अमेरिका में लोकतंत्र खत्म

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी अरबपति इलॉन मस्क ने चेतावनी



दी है कि अगर 2028 के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने राष्ट्रपति पद और संसद के दोनों सदनों में जीत हासिल कर ली, तो देश में लोकतंत्र खत्म हो सकता है। मस्क ने कहा कि डेमोक्रेट्स अपने फायदे के लिए देश की राजनीतिक व्यवस्था बदल सकते हैं। इसके बाद अमेरिका एक ऐसी व्यवस्था में बदल जाएगा, जहां हमेशा एक ही पार्टी का शासन रहेगा। मस्क ने लोगों से 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की। मस्क बोले- डेमोक्रेट्स जीतें अवैध प्रवासियों को कानूनी दर्जा मिलेगाः- मस्क के मुताबिक, डेमोक्रेट्स सत्ता में आने पर तीन बड़े बदलाव कर सकते हैं। 1. वॉशिंगटन डीसी और प्यूर्टो रिको को राज्य का दर्जाः मस्क का दावा है कि डेमोक्रेट्स इन दोनों को अमेरिकी राज्य बनाकर सीनेट में अपनी पार्टी की सीटें बढ़ा सकते हैं। 2. अवैध प्रवासियों को कानूनी दर्जाः उन्होंने आरोप लगाया कि डेमोक्रेट्स अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों को कानूनी दर्जा देकर अपने लिए स्थायी वोट बैंक बना सकते हैं। 3. सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ानाः मस्क का कहना है कि डेमोक्रेट्स कोर्ट में नए जज नियुक्त करके वहां अपना बहुमत बना सकते हैं। रिपब्लिकन उम्मीदवारों पर रु4200 करोड़ खर्च कर चुके हैं मस्कः-मस्क सिर्फ सोशल मीडिया पर ही रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन नहीं कर रहे, बल्कि चुनाव में बड़ी रकम भी लगा रहे हैं। वे अब तक रिपब्लिकन उम्मीदवारों पर 442 मिलियन डॉलर यानी करीब रु4200 करोड़ से ज्यादा खर्च कर चुके हैं। द हिल की रिपोर्ट के मुताबिक, मस्क ने पिछले एक महीने में अपने राजनीतिक संगठन अमेरिका पीएसी को करीब रु730 करोड़ दिए हैं। इससे पहले वे रिपब्लिकन उम्मीदवारों और संगठनों के समर्थन में रु3,477 करोड़ खर्च कर चुके थे।

उन्होंने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान अमेरिका पीएसी बनाया था। अमेरिका में 3 नवंबर को मिडटर्म चुनावः-अमेरिका में 3 नवंबर 2026 को मिडटर्म चुनाव होने हैं। ये चुनाव राष्ट्रपति के चार साल के कार्यकाल के बीच यानी दो साल बाद होते हैं। इनमें हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की सभी 435 सीटों और सीनेट की 35 सीटों पर वोटिंग होगी।

इसके अलावा कई राज्यों में गवर्नर और स्थानीय पदों के लिए भी चुनाव होंगे। इन चुनावों से तय होगा कि संसद के दोनों सदनों में किस पार्टी का बहुमत रहेगा। अगर डेमोक्रेट्स ने बहुमत हासिल कर लिया, तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए अपने फैसले लागू करना मुश्किल हो सकता है।

दावा- हरेदी समुदाय को सैन्य सेवा में छूट की शर्त पर इजराइल में विरोधी से जा मिला नेतन्याहू का करीबी

तेल अवीव। इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी दल यूनाइटेड टोरा जूडिज्म ने विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया है। पार्टी को चुनाव में 7 सीटें मिली हैं। चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी ने समर्थन के बदले हरेदी समुदाय के लोगों को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने की मांग की है। इजराइल में आमतौर पर नागरिकों के लिए सेना में सेवा देना अनिवार्य है। हालांकि, हरेदी समुदाय के धार्मिक छात्रों को अब तक इससे बड़े स्तर पर छूट मिलती रही है। नेतन्याहू सरकार हरेदी समुदाय को यह छूट जारी रखने के पक्ष में रही है, जबकि आइजनकोट इसका विरोध करते रहे हैं। वे चाहते हैं कि हरेदी समुदाय के लोगों को भी सैन्य सेवा करनी चाहिए। यूनाइटेड तोरा जूडिज्म ने आइजनकोट की सरकार में शामिल हुए बिना बाहर से समर्थन देने की पेशकश की है। इसके तहत पार्टी सरकार के खिलाफ होने वाले मतदान में विरोध करने के बजाय वोटिंग से दूर रह सकती है। इससे आइजनकोट को संसद में सरकार चलाने में मदद मिल सकती है। इजराइल चुनाव में विदेशी दखल की जांच करेगी खुफिया एजेंसी मोसादः-इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद इस हफ्ते हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच करेगी। चैनल 12 के मुताबिक, मोसाद आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के साथ मिलकर जांच करेगी। शक है कि कतर और कुछ दूसरे देशों ने चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की। आरोप है कि मंगलवार को हुए चुनाव में अरब मतदाताओं को पैसे देकर ज्यादा वोट डलवाने की कोशिश की गई। इजराइल के चुनाव आयोग ने कहा है कि जांच सीमित है और इससे



चुनाव नतीजों पर कोई सवाल नहीं उठता। इजराइल में नई संसद के गठन से पहले पार्टियों ने अपने संसदीय दलों के नेताओं के नाम तय करने शुरू कर दिए हैं। गादी आइजनकोट ने अपनी यशार पार्टी से चुने गए सांसद रॉय फोकमैन को संसदीय दल का नेता नियुक्त किया है। नई संसद का शपथ ग्रहण 10 नवंबर को होगा। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, आइजनकोट ने फोकमैन की तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास राजनीति का लंबा अनुभव है। वे इस जिम्मेदारी के लिए जरूरी समझदारी, नए विचार और नेतृत्व क्षमता रखते हैं। डेमोक्रेट्स पार्टी ने अरब पार्टियों के साथ गठबंधन की अपील कीः- इजराइल की डेमोक्रेट्स पार्टी के प्रमुख यायर गोलान ने विपक्षी दलों से अरब पार्टियों के साथ मिलकर सरकार बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अरब पार्टियों के पास कुल 19 सीटें हैं। इन सीटों को नजरअंदाज करना लोकतंत्र के खिलाफ होगा। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, गोलान ने कहा कि निष्पक्ष चुनाव में चुना गया हर सांसद देश की राजनीतिक व्यवस्था का वैध हिस्सा है। इससे पहले नेतन्याहू विरोधी गठबंधन ने अरब बहुल जॉइंट लिस्ट और रा'म पार्टी के साथ सरकार बनाने से इनकार कर दिया था। डेमोक्रेट्स पार्टी के पास 8 सीटें हैं, जबकि अरब पार्टियों की जॉइंट लिस्ट को 12 और रा'म को 7 सीटें मिली हैं। हरेदी समुदाय के सैन्य सेवा को लेकर विवाद को जानिएः-इजराइल में ज्यादातर यहूदियों के लिए सेना में सेवा देना जरूरी है। 1948 में इजराइल बनने के बाद, हरेदी समुदाय के 400 लोगों को यहूदी संस्थानों में पढ़ने के लिए सेना में भर्ती होने से छूट मिली थी। इसका मकसद धार्मिक विद्वानों की पढ़ाई और परंपरा को बचाए रखना था।

लेकिन धीरे-धीरे छूट का दायरा बढ़ता गया। इसी छूट को लेकर आज इजराइल में विवाद है। दूसरे समुदाय के लोगों का कहना है कि जब देश युद्ध में है, तब सभी को सेना में सेवा देनी चाहिए। नेतन्याहू को हरेदी समुदाय के लोगों का वोट मिलता है। ऐसे में वे इस छूट को बरकार रखना चाहते हैं। वहीं गादी आइजनकोट का रुख नेतन्याहू से अलग है। वे चाहते हैं कि हरेदी समुदाय के लोगों को भी सेना या नागरिक सेवा में शामिल होना चाहिए।

अमेरिकी-इजराइली धर्मगुरु ने कहा- हिंदू गोमूत्र पीते हैं, भारतीय डॉक्टरों पर भी अपमानजनक टिप्पणी की

न्यूयॉर्क।रोसेनमैन ने कहा कि मिजराही की वजह से इजराइल की अंतरराष्ट्रीय छवि को जितना



नुकसान पहुंच रहा है, वह हैरान करने वाला है।फिलिस्तीन के भारत में राजदूत अब्दुल्ला एम. अबूशावेश ने भी बिना नाम लिए कहा कि किसी के धर्म और धार्मिक परंपराओं का मजाक उड़ाना पूरी इंसानियत के लिए खतरा है। होलोकॉस्ट पर गलत दावा कर चुके हैं मिजराहीः- मिजराही अमेरिका में रहने वाले ऑर्थोडॉक्स यहूदी धर्म के प्रचारक हैं। वे 'डिवाइन इन्फॉर्मेशन' नाम से ऑनलाइन धार्मिक मंच चलाते हैं। अपने बयानों को लेकर वे पहले भी कई बार विवादों में रहे हैं। दिसंबर 2015 में उन्होंने दावा किया था कि होलोकॉस्ट में 10 लाख से भी कम यहूदी मारे गए थे। होलोकॉस्ट दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान हिटलर की नाजी सरकार द्वारा करीब 60 लाख यहूदियों की सामूहिक हत्या को कहा जाता है। होलोकॉस्ट के इतिहासकार एफ्राइम जुरॉफ ने उनके दावे को गलत बताया था। इसके बाद मिजराही ने माफी मांगी थी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि ऑटिज्म और डाउन सिंड्रोम पिछले जन्म में किए गए पापों की सजा हैं। दिसंबर 2016 में ऑर्थोडॉक्स यहूदी धर्म के 16 रब्बियों ने उनके भाषणों और प्रचार के तरीके की आलोचना की थी। उन्होंने उनके बयानों को भ्रामक, आपत्तिजनक और खतरनाक बताया था। 2019 में ब्रिटेन में प्रवेश को लेकर हुआ था विवादः- मार्च 2019 में मिजराही को लंदन और मैनचेस्टर में भाषण देने जाना था। लेकिन उनके विवादित बयानों की वजह से ब्रिटिश अधिकारियों के उन्हें देश में प्रवेश देने पर रोक लगाने की खबरें आईं।

'द ज्यूइश क्रॉनिकल' के मुताबिक, मिजराही ने बाद में बताया कि उन्होंने खुद ही ब्रिटेन जाने का इरादा छोड़ दिया था। उन्हें डर था कि हवाई अड्डे पर अधिकारी उनसे पूछताछ कर सकते हैं या उन्हें ब्रिटेन में घुसने से रोक सकते हैं। हालांकि, ब्रिटेन सरकार ने आधिकारिक तौर पर यह नहीं कहा था कि मिजराही पर देश में आने की पाबंदी लगाई गई थी।

ईरान पर फिर हमले की तैयारी-अमेरिका के 10 सैन्य विमान इजराइल में उतरे,ट्रम्प की पश्चिम एशिया के टॉप कमांडर से मुलाकात

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। पिछले एक



हफ्ते में उसके 10 से ज्यादा सैन्य मालवाहक विमान दक्षिणी इजराइल के एयरबेस पर उतरे हैं। इसी बीच राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी सेना के पश्चिम एशिया कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर से मुलाकात की। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, कूपर ने ईरान पर संभावित सैन्य हमले के विकल्पों की जानकारी दी। बैठक में अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन डैन केन भी मौजूद थे। अमेरिकी चुनाव के बाद ईरान पर हमले की तैयारीः- अमेरिका और इजराइल 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमले करने की योजना बना रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देश छोटी लेकिन तेज सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। इसमें ईरान के ऊर्जा ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों व ड्रोन के भंडार को निशाना बनाया जा सकता है। हालांकि, ट्रम्प अभी सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला भी ले सकते हैं। सऊदी, कतर, कुवैत में भी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा अमेरिकाः- विमान ट्रैकिंग डेटा पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिका के ज्यादातर सैन्य मालवाहक विमान टेक्सास के बिग्स आर्मी एयरफील्ड से रवाना हुए थे। ये इजराइल के नेवातिम और ओवदा एयरबेस पहुंचे। इसके अलावा अमेरिका के कई सैन्य विमान सऊदी अरब, कतर, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी पहुंचे हैं। इन विमानों में क्या सामान लाया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका संभावित युद्ध से पहले पश्चिम एशिया में अपनी हवाई सुरक्षा मजबूत कर रहा है। अमेरिका टेक्सास से पैट्रियट मिसाइल सिस्टम की एक बैटरी भी पश्चिम एशिया भेज रहा है। इसका इस्तेमाल दुश्मन के मिसाइल हमलों को रोकने के लिए किया जाता है। ईरान पर चुनावों में दखल देने के आरोप लगेः-ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ के मुताबिक, ईरान ने इजराइल के चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी। साथ ही अगले हफ्ते होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में भी दखल देने की तैयारी कर रहा था।अखबार ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इसके लिए एजेंटों की भर्ती और अमेरिकी चुनाव सिस्टम को हैक करने वाले साइबर समूह बनाने की कोशिश की गई। एक अधिकारी ने कहा कि ईरान इसे अमेरिका और इजराइल के खिलाफ युद्ध का हिस्सा मानता है। उसका मकसद दोनों देशों के लोगों के बीच मतभेद बढ़ाना है। हालांकि, ईरान किसी खास उम्मीदवार का समर्थन नहीं करता। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब इजराइल में चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच चल रही है। चुनाव आयोग ने गुरुवार को सुरक्षा एजेंसी शिन बेट को इसकी जांच के आदेश दिए। ईरान ने गुरुवार को बताया कि उसे अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का पत्र मिला है, लेकिन उसने अभी जवाब नहीं दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, इस पत्र का मकसद दोनों देशों के बीच शांति वार्ता फिर शुरू करना था। ईरान ने अमेरिका के सामने रखी अपनी 7 शर्तें पूरी करने की मांग दोहराई है। दूसरी ओर, ट्रम्प ने कहा कि वेंस ने ईरान से शांति वार्ता के लिए नहीं, बल्कि मेडिकल सामान पहुंचाने के मामले में संपर्क किया था। ट्रम्प के मुताबिक, ईरान ने बीमार लोगों के लिए मेडिकल सामान और दूसरी जरूरी चीजों की मदद मांगी थी। वेंस ने इस बारे में उनसे राय ली थी और उन्होंने मदद की इजाजत दे दी। इसी बीच होर्मुज स्ट्रेट के पास तीन टैंकरों में धमाके हुए और उनमें आग लग गई। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, पिछले 24 घंटे के दौरान ये टैंकर समुद्र में बिछाई गई बारूदी सुरंगों से टकरा गए थे।

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने बताया कि तीनों टैंकर होर्मुज के दक्षिण में एक ऐसे रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहे थे, जिसे इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं थी। ईरानी गार्ड के मुताबिक, टैंकरों ने अपने रडार और रास्ता बताने वाले सिस्टम बंद कर दिए थे। इसके अलावा उन्होंने नौसेना की चेतावनियों को भी नजरअंदाज किया।

राष्ट्रीय लोक दल सोनभद्र ने मनाई लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती, चित्र पर माल्यार्पण कर अर्पित की भावांजलि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय लोक दल के जिला पार्टी कार्यालय पर देश की



एकता एवं अखंडता के सूत्रधार, लौह पुरुष एवं देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री तथा पूर्व गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर अपनी भावांजलि दी तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, सामाजिक एकता और किसानों के अधिकारों के संघर्ष को समर्पित रहा। वर्ष 1928 के ऐतिहासिक बारडोली सत्याग्रह में अंग्रेजी हुकूमत द्वारा किसानों पर अनुचित रूप से बढ़ाए गए लगान के विरोध में उन्होंने किसानों को संगठित कर संघर्ष का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में किसानों ने एकजुट होकर अन्यायपूर्ण लगान का विरोध किया और अंततः अंग्रेजी सरकार को अपना फैसला वापस लेने पर मजबूर होना पड़ा। यह आंदोलन किसान एकता, साहस और संगठित संघर्ष का ऐतिहासिक उदाहरण बना। इस अवसर पर जिला संगठन महासचिव श्री धीरज चौबे ने भी सरदार पटेल के किसान हितों में किए गए योगदान और राष्ट्र की एकता के लिए उनके ऐतिहासिक प्रयासों को याद करते हुए कहा कि खेड़ा सत्याग्रह में फसल खराब होने के बावजूद किसानों से लगान वसूली के विरोध में उन्होंने किसानों का साथ दिया और उन्हें राहत दिलाने के लिए संघर्ष किया। किसानों को संगठित करने तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए उनके प्रयास सदैव स्मरणीय रहेंगे। श्रीकांत त्रिपाठी ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद देश की 560 से अधिक रियासतों का भारतीय संघ में विलय कराकर सरदार पटेल ने अखंड भारत की मजबूत नींव रखी। राष्ट्र की एकता और किसानों के हितों के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी हम सभी के लिए अनुकरणीय हैं। राष्ट्रीय लोक दल आज भी उनके आदर्शों, सिद्धांतों एवं विचारों से ऊर्जा और दिशा प्राप्त करती है।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन जिला सचिव श्री रामदेव चौहान ने किया। इस अवसर विजय कुमार भारती, मनदीप सिंह, अनुज त्रिपाठी, प्रदीप त्रिपाठी, ओम प्रकाश पटेल, मो आमीन, नागेश्वर आदिवासी, बाबा रामदेव, रॉबर्ट्सगंज सुनील सिंह पटेल, गंगेश्वर पटेल, काशी नाथ देव पाण्डेय ओम प्रकाश भारती भूषण पटेल बुधनी देवी जीतेन्द्र चौबे सतेंद्र देव राजनारायण सिंह पटेल शिव पूजन त्रिपाठी राजबली मिश्रा राजकुमार विवेक चतुर्वेदी एवं सूरज चौबे रामसेवक पटेल चंद्र बहन पटेल गुड्डू माली रोहित सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समस्त जानकारी जिला मिडिया प्रभारी रालोद सोनभद्र विकास पाण्डेय ने अवगत करवाया।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती मनाई गयी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती



एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने पुलिस कार्यालय में माल्यार्पण कर अर्पित किए श्रद्धासुमन, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ।दिनांक 31.10.2026 को लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस कार्यालय चुर्क में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने तथा देश की आंतरिक सुरक्षा के आदर्शों एवं राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने के उनके संकल्प को स्मरण किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सुश्री मेविस टॉक, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन श्री ऋषभ रुणवाल, क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी सदर/यातायात, प्रतिसार निरीक्षक सहित पुलिस लाइन एवं पुलिस कार्यालय में नियुक्त समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर भी सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया तथा उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। सुनिश्चित करने में अपना योगदान देने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल

लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल को अधिवक्ताओं ने जयंती पर किया याद,डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र सभागार में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई 151वीं जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार



एसोसिएशन सोनभद्र के तत्वावधान में शनिवार को डीबीए सभागार में देश के प्रथम गृह मंत्री, राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151 वीं जयंती श्रद्धा, सम्मान एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके महान व्यक्तित्व एवं राष्ट्र के प्रति अतुलनीय योगदान का स्मरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व महामंत्री एवं पूर्व डीजीसी रामजियावान सिंह यादव ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने सरदार पटेल के अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शी नेतृत्व एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण और देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने अपनी कुशल राजनीतिक सूझबूझ एवं दृढ़ संकल्प से देश की सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की नींव को मजबूत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के ऐसे प्रतीक थे, जिनका संपूर्ण जीवन देशहित और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता आज भी देशवासियों को प्रेरणा प्रदान करते हैं। पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सरदार पटेल का संपूर्ण जीवन दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम उदाहरण है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाए रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। यही लौह पुरुष के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अधिवक्ताओं ने सरदार पटेल के आदर्शों एवं सिद्धांतों पर चलने तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रदीप कुमार मौर्य, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, राजेश कुमार यादव, पंकज यादव, राजकुमार सिंह, सुरेश सिंह, रियाज खान, संतोष यादव, कामता प्रसाद यादव, संगीता, सुमन एडवोकेट, अनूप शुक्ला, आकृति निर्भया, बीपी सिंह, चतुर्भुज शर्मा, सुदेश कुमार, हरिद्वार, रामगुल्ली यादव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड (व्यक्तिगत श्रेणी) के लिए 20 नवंबर तक करें आवेदन

सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 15 से 35 वर्ष के युवाओं को मिलेगा सम्मान, आवेदन की तीन प्रतियां जमा करना अनिवार्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी, सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया है कि महानिदेशक, प्रांतीय रक्षक दल/विकास दल एवं युवा कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए व्यक्तिगत श्रेणी के अंतर्गत राज्य स्तरीय



विवेकानन्द यूथ एवार्ड प्रदान किया जाना है। इस पुरस्कार के माध्यम से सामाजिक कार्यों एवं राष्ट्रीय विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए विगत तीन वर्षों अर्थात 01 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2026 तक सराहनीय कार्य करने वाले युवाओं के प्रस्ताव जिलाधिकारी, सोनभद्र की अनुशंसा के साथ महानिदेशालय, लखनऊ को भेजे जाएंगे। खेलकूद, सामाजिक वृक्षारोपण, परिवार कल्याण, अल्प बचत, रक्तदान, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना व संचालन, जैविक खेती, सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना, स्वच्छता कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकीकरण, साक्षरता, आपदा प्रबंधन, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य, अनुसंधान, कला, संस्कृति एवं साहित्य, मानवाधिकारों को बढ़ावा देने, पर्यटन, पारंपरिक चिकित्सा, सक्रिय नागरिकता, सामुदायिक सेवा, खेल एवं शैक्षिक उत्कृष्टता तथा स्मार्ट लर्निंग सहित अन्य निर्धारित क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की पात्रता एवं आवश्यक शर्तें के संबंध में उन्होंने बताया कि आवेदक उत्तर प्रदेश का नागरिक होना चाहिए तथा नामांकन के वर्ष की 01 जनवरी को उसकी आयु 15 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक द्वारा निर्धारित तीन वित्तीय वर्षों में संबंधित क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं प्रमाणित कार्य किया गया हो। यह पुरस्कार किसी व्यक्ति को उसके जीवनकाल में केवल एक बार प्रदान किया जाएगा। केंद्र एवं राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों तथा कॉलेजों आदि में सरकारी सेवा में कार्यरत व्यक्ति इस पुरस्कार के लिए पात्र नहीं होंगे। इच्छुक एवं पात्र युवाओं से अपील की है कि वे निर्धारित प्रस्ताव प्रारूप में संबंधित कार्यों के साक्ष्यों सहित अपना आवेदन मूल रूप में तीन प्रतियों में बुकलेट फॉर्मेट में दिनांक 20 नवंबर, 2026 तक जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, सोनभद्र, कमरा संख्या-68 में अनिवार्य रूप से जमा करना सुनिश्चित करें।

89 करोड़ का टैक्स दबाकर बैठे 11,567 वाहन स्वामी, नोटिस और आरसी के बाद भी नहीं जमा कर रहे बकाया

31 अक्टूबर को पेनाल्टी में छूट के लिए परिवहन विभाग में लगेगा विशेष कैंप, बड़े बकायेदारों पर भी विभाग की नजर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में वाहन टैक्स की बकायेदारी का आंकड़ा 89



करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हैरानी की बात यह है कि 11,567 वाहन स्वामियों पर टैक्स बकाया होने के बावजूद बड़ी संख्या में लोग इसे जमा करने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। परिवहन विभाग की ओर से बकायेदारों को नोटिस जारी किया जा चुका है। इसके बाद भी टैक्स जमा नहीं करने वालों के खिलाफ तहसील के माध्यम से आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) तक जारी की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद बकाया वसूली की रफ्तार संतोषजनक नहीं है। बकाया वसूली में तेजी लाने और वाहन स्वामियों को राहत देने के उद्देश्य से परिवहन विभाग की ओर से 31 अक्टूबर 2026 को विशेष कैंप आयोजित किया जाएगा। कैंप परिवहन विभाग, सोनभद्र कार्यालय परिसर में लगेगा। इसमें शासन की ओर से निर्धारित व्यवस्था के तहत बकाया वाहन टैक्स की पेनाल्टी में छूट का लाभ लेने और बकाये का निस्तारण करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। परिवहन विभागीय के आंकड़ों के मुताबिक बड़े बकायेदारों में सौरभ सिंह, बालाजी मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड की पांच गाड़ियां, नीलम ग्रुप, आशुतोष कुमार पाठक, अभिषेक और नीरज कुमार के नाम शामिल हैं। इन बकायेदारों पर विभाग की विशेष नजर है। विभाग की ओर से पहले ही नोटिस जारी कर बकाया जमा करने के लिए कहा जा चुका है, लेकिन कार्रवाई के बावजूद कई वाहन स्वामियों ने अब तक टैक्स जमा नहीं किया है।एआरटीओ कौशल कुमार सिंह ने बताया कि बकाया टैक्स की वसूली को लेकर विभाग गंभीर है। वाहन स्वामियों को नोटिस जारी करने के साथ ही बकायेदारों के खिलाफ आरसी भी जारी कराई जा चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिलाधिकारी से मिलकर आरसी जारी होने के बाद भी बकाया जमा नहीं करने वाले वाहन स्वामियों के विरुद्ध नीलामी और कुर्की जैसी प्रभावी कार्रवाई कराई जाएगी। उन्होंने सभी बकायेदारों से अपील की कि 31 अक्टूबर को आयोजित विशेष कैंप में पहुंचकर पेनाल्टी में छूट का लाभ लें और अपने बकाया टैक्स का भुगतान कराएं।

मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा दहेज प्रतिषेध अधिनियम (डीपी एक्ट) से संबंधित 02 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र



श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध तथा मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर सुश्री मेविस टॉक एवं क्षेत्राधिकारी नगर श्री रणधीर मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए 02 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1. सुनील कुमार पुत्र रामसूरत पासवान निवासी बड़गांव, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। 2. दीपक कुमार पासवान पुत्र रामसूरत पासवान निवासी बड़गांव, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। संबंधित मुकदमे का विवरण- मु0अ0सं0- 01/2017, धारा 498ए, 323, 504, 506 भादवि एवं 3/4 डीपी एक्ट। कार्यवाही करने वाली पुलिस टीम- महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस टीम।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने वृद्धाश्रम का किया निरीक्षण, वृद्धजनों को उनके अधिकारों एवं कल्याणकारी योजनाओं के प्रति किया जागरूक

डायट परिसर में आयोजित हुआ संविधान संवाद नोडल टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम, लगभग 60 नोडल शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के आदेश के क्रम में आज दिनांक 30 अक्टूबर, 2026 को श्री राहुल, सिविल जज (सी0डि0)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया गया तथा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे तथा वृद्धाश्रम में कुल 46 वृद्धजन निवासरत पाए गए। इस अवसर पर सचिव द्वारा उपस्थित वृद्धजनों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी देते हुए बताया गया कि वृद्धावस्था में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए भारत सरकार द्वारा विभिन्न नीतियां एवं कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने अभिभावकों एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण से संबंधित कानूनों की जानकारी देते हुए बताया कि माता-पिता एवं दादा-दादी को अपने बच्चों से आवश्यकतानुसार भरण-पोषण भत्ता प्राप्त करने का कानूनी अधिकार है। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रावधानों तथा शासन द्वारा संचालित वृद्धावस्था पेंशन एवं चिकित्सा संबंधी योजनाओं के प्रति भी जागरूक किया गया। इसी क्रम में आज जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), सोनभद्र में संविधान संवाद नोडल टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री राहुल, सिविल जज (सी0डि0)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र, श्री शमशेर बहादुर सिंह, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल (एलएडीसी), श्री सत्यारमण त्रिपाठी, डिप्टी चीफ एलएडीसी, श्री जगदम्बा प्रसाद, असिस्टेंट एलएडीसी, श्री अरुण कुमार यादव, शिक्षक संत



कीनाराम विधि महाविद्यालय, श्री आशुतोष पाठक, शिक्षक मां भगवती विधि महाविद्यालय तथा सुश्री सांभवी पाण्डेय, शिक्षक विन्ध्य विधि महाविद्यालय सहित लगभग 60 नोडल शिक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षकों द्वारा नोडल शिक्षकों को संविधान संवाद कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही संविधान निर्माण, मौलिक अधिकार एवं संवैधानिक उपचार, मौलिक कर्तव्य, राज्य के अंग एवं चुनाव प्रक्रिया, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, हेल्पलाइन नंबर तथा बच्चों के शिक्षा संबंधी कानूनों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त संविधान संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के संबंध में भी नोडल शिक्षकों को अवगत कराया गया। उक्त जानकारी श्री राहुल, सिविल जज (सी0डि0)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा दी गई।

चतरा में किसान पन्चायत में अन्नदाताओ का सुना दुख दर्द- संदीप मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। चतरा ब्लाक में आयोजित किसान पन्चायत में



किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्र अपने प्रतिनिधिमण्डल के साथ पहुंचे तथा उपस्थित सभी किसान परिवारि जनो के दुःख दर्द को सुना पन्चायत को सम्बोधित करते हुए मिश्रा ने केन्द्र व प्रदेश सरकार को खुब फटकारा और कहा की आदिवासी भाई बहनो व अपने जनपद के अन्नदाताओ का अनादर किसी किमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा साथ ही उन्होंने कहा कि जब कोई किसान अपनी जमीन नहीं देना चाहता तो जनपद प्रशासन क्यों जबरदस्ती जमीन लेना चाहता है सरकार पुनः इस औद्योगिक एक्सप्रेस वे के एलाइमेन्ट पुनर्विचार करे तथा पिएसपी प्रोजेक्ट को वापस ले अन्यथा मोर्चा करेगा बड़ा आन्दोलन साथ ही श्री मिश्रा ने कहा कि अर्नब तूफान की वजह से जो अन्नदाताओ की फसलों का नुकसान हुआ है उसका त्वरित निरिक्षण कर सबको मुवावजा दे सरकार आज के कार्यक्रम में मोतिलाल यादव रामकरन नागेन्द्र लाकडा नन्दलाल भारती सोनु कुजुर आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द सतेन्द्र प्रजापति राधा फुलमतिया अरविन्द विजय दिनेस चेरो सन्तोष चेरो विन्दू खरवार व सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

ब्याज माफी योजना-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में 02 नवम्बर को होगी बैठक,31 दिसंबर 2025 तक के बकायों पर ब्याज एवं अर्थदण्ड माफी की योजना लागू

मुख्यमंत्री ब्याज माफी योजना-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होगी बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उपायुक्त (प्रशासन), राज्य कर, सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया कि शासनादेश के माध्यम से प्रदेश सरकार द्वारा ब्याज माफी योजना-2026 लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम-1948, केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम-1956, उत्तर प्रदेश आमोद एवं पणकर अधिनियम-1979 एवं तदधीन निर्मित नियमावली, मनोरंजन कर, उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम-1995, उत्तर प्रदेश केबल टेलीविजन नेटवर्क नियमावली-1997, उत्तर प्रदेश प्रवेश कर अधिनियम-2007 एवं उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर अधिनियम-2008 के अंतर्गत दिनांक 31 दिसम्बर, 2025 तक सृजित बकायों पर देय ब्याज एवं अर्थदण्ड माफ किए जाने का प्रावधान किया गया है। माननीय मुख्यमंत्री जी की महत्वाकांक्षी ब्याज माफी योजना-2026 के संबंध में जनपद में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श हेतु जिलाधिकारी, सोनभद्र की अध्यक्षता में दिनांक 02 नवम्बर, 2026 (सोमवार) को अपराह्न 01:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, सोनभद्र में बैठक आहूत की गई है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2026-27 में दो निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराने के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित

पात्र लाभार्थियों का शत-प्रतिशत सत्यापन, आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी अद्यतन कराने के अपर जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभागार में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2026-27 में दो निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराने की योजना के संचालन के संबंध में जनपद स्तरीय समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में तेल विपणन कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित करने, लाभार्थियों को सिलेंडर रिफिल एवं प्रतिपूर्ति धनराशि प्राप्त करने में आ रही समस्याओं के समाधान तथा योजना की नियमित मॉनिटरिंग पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी, लीड बैंक मैनेजर सोनभद्र, वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप-विज्ञान, समस्त पूर्ति निरीक्षकगण तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) एवं हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के विक्रय प्रबंधक उपस्थित रहे। बैठक में योजना की समीक्षा करते हुए अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि



जनपद में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत पंजीकृत समस्त लाभार्थियों का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही, सभी पंजीकृत लाभार्थियों के बैंक खातों की आधार सीडिंग तथा ई-केवाईसी की स्थिति अद्यतन कराई जाए, जिससे किसी भी पात्र लाभार्थी को योजना का लाभ प्राप्त करने में असुविधा न हो। उन्होंने दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को समयबद्ध तरीके से एलपीजी सिलेंडरों की होम डिलीवरी सुनिश्चित कराने के कड़े निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, सभी लाभार्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन पूर्ण कराने के लिए गैस एजेंसियों के प्रोपराइटर एवं प्रबंधकों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने निष्क्रिय लाभार्थियों अथवा निष्क्रिय खातों की पहचान कर संबंधित सूची अद्यतन करने तथा लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेंडर रिफिल प्राप्त करने की प्रक्रिया, निर्धारित तिथियों एवं पात्रता संबंधी शर्तों के बारे में जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार कराने पर भी जोर दिया।उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं तेल विपणन कंपनियों के प्रतिनिधियों को आपसी समन्वय स्थापित कर योजना का समयबद्ध एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जनपद के प्रत्येक पात्र उज्ज्वला लाभार्थी को योजना का पूर्ण लाभ प्राप्त हो सके।

02 नवम्बर जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक,जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 02 नवम्बर को होगी जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक

व्यापारियों की समस्याओं एवं सुझावों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में होगी बैठक,जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक में व्यापारी बन्धुओं की सहभागिता अपेक्षित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उपायुक्त (प्रशासन), राज्य कर, सोनभद्र द्वारा अवगत



कराया गया है कि माह सितम्बर, 2026 की जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक दिनांक 02 नवम्बर, 2026 (सोमवार) को अपराह्न 12:00 बजे जिलाधिकारी, सोनभद्र की अध्यक्षता में डाउन टाउन सभागार, सोनभद्र में आयोजित की जाएगी। जनपद के समस्त संबंधित व्यापारियों एवं व्यापार बन्धु के सदस्यों से अनुरोध किया है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

स्पोर्ट्स







इसबगोल के 7 जादुई फायदे,कब्ज भगाए/वजन घटाए/ब्लड शुगर भी कंट्रोल करे-न्यूट्रिशनिस्ट से समझें इस फाइबर का साइंस

नयी दिल्ली। कब्ज हो, पेट साफ न हो रहा हो या पाचन बिगड़ा हुआ महसूस हो, ऐसे में भारतीय घरों में अक्सर एक ही नाम सबसे पहले लिया जाता है- इसबगोल। पश्चिमी एशिया में उत्पन्न होने वाला यह पौधा सदियों पहले भारत पहुंचा था और आज भारत दुनिया में इसबगोल का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश है। वजन घटाने वाली दवा ओजेम्पिक और अन्य जीएलपी-1 दवाओं की बढ़ती लोकप्रियता के बीच सोशल मीडिया पर इसबगोल को 'नेचर का ओजेम्पिक' तक कहा जाने लगा है। दावा है कि यह भूख नियंत्रित करने और वजन कम करने में मदद करता है। 2023 में 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक रिव्यू के मुताबिक, 5 महीने तक भोजन से पहले औसतन 10.8 ग्राम इसबगोल लेने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में इसबगोल के हेल्थ बेनिफिट्स की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- इसबगोल शरीर में क्या काम करता है? इसे लेने का सही तरीका क्या है? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर-'वनडाइटटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- इसबगोल (साइलम हस्क) क्या है? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- इसबगोल एक तरह का नेचुरल फाइबर है। यह 'प्लांटैगो ओवाटा' नाम के पौधे के बीज से तैयार किया जाता है। इसकी खास बात यह है कि पानी के संपर्क में आते ही यह अपने वजन से करीब 40 गुना तक पानी सोखता है और फूलकर जेल जैसा गाढ़ा हो जाता है। यह स्टूल को नरम बनाने और उसे आसानी से बाहर निकलने में मदद करता है। सवाल- इसबगोल की न्यूट्रिशनल वैल्यू क्या है? जवाब- इसबगोल की सबसे बड़ी खासियत इसका फाइबर कंटेंट है। इसमें अधिकांश हिस्सा डाइटरी फाइबर का होता है। यही वजह है कि इसे पाचन और गट हेल्थ के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसबगोल की न्यूट्रिशनल वैल्यू:- कार्बोहाइड्रेट-4 ग्राम, प्रोटीन-0 ग्राम, फैट-0 ग्राम, कैलोरी 30, आयरन-1फीसदी ऑफ डीवी, कैल्शियम-3फीसदी ऑफ डीवी। सवाल- इसबगोल में कौन सा फाइबर होता है? जवाब- इसके जवाब से पहले ये समझना होगा कि फाइबर कितने प्रकार के होते हैं। दरअसल, फाइबर मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं- इनसॉल्यूबल फाइबर, सॉल्यूबल फाइबर, इनसॉल्यूबल फाइबर आंतों की मूवमेंट को सपोर्ट करता है और बॉवेल को नियमित रखने में मदद करता है। वहीं सॉल्यूबल फाइबर पानी सोखकर जेल जैसा बन जाता है। इससे स्टूल मुलायम हो जाता है और उसे आसानी से पास करने में मदद मिलती है। इसबगोल सॉल्यूबल फाइबर का एक बेहतरीन सोर्स है। यही वजह है कि पानी में मिलते ही यह फूल जाता है और कब्ज से राहत दिलाने में मदद करता है। सवाल- इसबगोल शरीर में क्या काम करता है? जवाब- हम जो खाना खाते हैं, वह पेट और लगभग 20 फीट लंबी छोटी आंत से गुजरते हुए बड़ी आंत में पहुंचता है। इस दौरान शरीर जरूरी पोषक तत्व और पानी सोख लेता है। आखिर में जो बचता है, वही स्टूल बनता है। इसबगोल में मौजूद सॉल्यूबल फाइबर पानी को अपने साथ बांधकर रखता है। इससे स्टूल में नमी बनी रहती है। वह मुलायम रहता है और आंतों से आसानी से आगे बढ़ पाता है। सवाल- इसबगोल वेज हेल्थ बेनिफिट्स क्या हैं? जवाब- इसबगोल एक प्रीबायोटिक फाइबर की तरह भी काम करता है। यानी यह आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को पोषण देता है, जिससे गट हेल्थ बेहतर हो सकती है। इसबगोल के हेल्थ बेनिफिट्सः- कब्ज से राहत दिलाए। ब्लड शुगर कंट्रोल करे। गट हेल्थ अच्छे बैक्टीरिया को पोषण दे। खराब कोलेस्ट्रॉल घटाए बेहतर बनाए। पाइल्स में राहत दिलाए। वेट कंट्रोल में मदद करे। सवाल- इसबगोल कब्ज में कैसे मदद करता है? जवाब- कब्ज को ऐसे समझिए जैसे किसी नाली में सूखी गंदगी जमा हो गई हो। जब तक उसमें पर्याप्त पानी नहीं पहुंचता, वह





बनाने के लिए कोलेस्ट्रॉल की जरूरत पड़ती है। इसबगोल आंत में पहुंचकर बाइल के एक हिस्से को शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। अब शरीर के पास पहले जितनी बाइल नहीं बचती। इसलिए उसे नई बाइल बनानी पड़ती है। नया बाइल बनाने के लिए शरीर को फिर से कोलेस्ट्रॉल चाहिए होता है। वह यह कोलेस्ट्रॉल ब्लड से लेता है। यही वजह है कि नियमित रूप से इसबगोल लेने से खून में एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने में मदद मिलती है। सवाल- क्या इसबगोल हार्ट हेल्थ के लिए भी उपयोगी है? जवाब- हां, इसबगोल हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है। इसे ऐसे समझिए-हमारी धमनियां पानी के पाइप की तरह होती हैं। जब इनमें कोलेस्ट्रॉल और अन्य फैटी सब्सटेंस जमा होने लगते हैं तो धीरे-धीरे प्लाक बनने लगता है। समय के साथ यह प्लाक आर्टरी को संकरा कर सकता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क बढ़ जाता है। इसबगोल में मौजूद सॉल्यूबल फाइबर एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है। जब खून में खराब कोलेस्ट्रॉल कम होगा तो उसके आर्टरी में जमा होने का रिस्क भी कम होगा। सवाल- इसबगोल ब्लड शुगर कम करने में कैसे मदद करता है? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए-जब हम कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें खाते हैं, तो पाचन के बाद उनसे ग्लूकोज बनता है और वह ब्लड में पहुंचता है। अगर यह प्रक्रिया बहुत तेजी से हो तो ब्लड शुगर भी तेजी से बढ़ सकता है। इसबगोल पानी के साथ मिलकर जेल जैसी परत बना लेता है। यह भोजन के पाचन और ग्लूकोज के अवशोषण की गति को धीमा कर देता है। इससे ग्लूकोज एकदम से ब्लड में पहुंचने के बजाय धीरे-धीरे पहुंचता है। सवाल- क्या इसबगोल वजन घटाने में भी मददगार है? जवाब- हां, इसबगोल वेट मैनेजमेंट में मददगार हो सकता है, लेकिन यह सीधे वजन नहीं घटाता। इसमें मौजूद सॉल्यूबल फाइबर पानी सोखकर फूल जाता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस हो सकता है। इससे बार-बार भूख लगने और ज्यादा खाने की संभावना कम होती है। सवाल- इसबगोल लेने का सही तरीका क्या है? जवाब- आमतौर पर 1-2 चम्मच (लगभग 5-10 ग्राम) इसबगोल को एक गिलास पानी में मिलाकर तुरंत पीने की सलाह दी जाती है। इसके बाद एक और गिलास पानी पीना भी फायदेमंद होता है। इसे सुबह खाली पेट या रात में सोने से पहले लिया जा सकता है। सवाल- लोग इसबगोल लेने में क्या कॉमन गलती करते हैं? जवाब- इसबगोल लेने में लोगों की सबसे कॉमन गलती पर्याप्त पानी न पीना है। कई लोग इसबगोल तो ले लेते हैं, लेकिन उसके साथ दिनभर पर्याप्त पानी नहीं पीते। चूंकि इसबगोल पानी सोखता है, इसलिए पानी की कमी होने पर इसका फायदा कम हो सकता है। सवाल- क्या इसबगोल के साथ पानी न पीने या कम पीने पर कोई साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं? जवाब- हां। इसबगोल के साथ अगर पर्याप्त पानी न लिया जाए तो कब्ज में राहत मिलने के बजाय समस्या बढ़ भी सकती है। इसबगोल के साथ पानी न पीने के नुकसान पेट में भारीपन होना। गैस या ब्लोटिंग होना। पेट में असहजता होना। कब्ज की समस्या बढ़ना।सवाल- किन लोगों को इसबगोल नहीं लेना चाहिए? जवाब- इसबगोल एक फाइबर सप्लीमेंट है। इसी वजह से यह कुछ दवाओं के अवशोषण को प्रभावित कर सकता है। इसलिए जो लोग थायरॉइड, डायबिटीज, हार्ट डिजीज या अन्य किसी बीमारी की नियमित दवाएं लेते हैं, उन्हें इसबगोल शुरू करने से पहले डॉक्टर या डाइटीशियन से सलाह लेनी चाहिए।इसबगोल से जुड़े कुछ कॉमन सवाल जवाबः-सवाल- क्या फाइबर सप्लीमेंट भोजन की जगह ले सकता है? जवाब- नहीं, फाइबर सप्लीमेंट भोजन का विकल्प नहीं हो सकता। फाइबर सप्लीमेंट डाइट का पूरक है, न कि भोजन का विकल्प। सवाल- क्या जिम जाने वाले भी इसबगोल ले सकते हैं? जवाब- हां, जिम जाने वाले लोग भी इसबगोल ले सकते हैं। सवाल- क्या बच्चों को इसबगोल देना सुरक्षित है? जवाब- बच्चों को बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं देना चाहिए।सवाल- क्या इसबगोल खाने से भूख कम लगती है? जवाब- हां, इसबगोल पानी सोखकर फूल जाता है और पेट में ज्यादा जगह घेरता है। इससे भूख कम लगती है। सवाल- क्या इसबगोल रोज ले सकते हैं? जवाब- हां, आमतौर पर इसे रोज लिया जा सकता है। सवाल- इसबगोल पाउडर, भूसी और कैप्सूल में कौन-सा रूप बेहतर है? जवाब- ज्यादातर लोगों के लिए पाउडर या भूसी बेहतर मानी जाती है क्योंकि इससे पर्याप्त मात्रा में फाइबर आसानी से मिल जाता है। सवाल- क्या फ्लेवर्ड और सादे साइलियम हस्क में कोई फर्क है? जवाब- फ्लेवर्ड प्रोडक्ट्स में चीनी, स्वीटनर, फ्लेवर या अन्य एडिटिव्स मिलाए जाते हैं। इसलिए सादा इसबगोल ही लें।

सवाल- साइलियम हस्क खरीदते समय पैकेट पर कौन-सी जानकारी जरूर देखें? जवाब- पॉइंटर्स में देखिए-इंग्रीडिएंट लिस्ट,फाइबर की मात्रा- सर्विंग साइज, मैन्युफैक्चरिंग डेट, एक्सपायरी डेट, क्वालिटी/टेस्टिंग सर्टिफिकेशन (यदि उपलब्ध हो) सवाल- साइलियम हस्क को घर में कैसे स्टोर करें? जवाब- पॉइंटर्स में देखिए- इसे ठंडी और सूखी जगह पर रखें। अच्छी तरह बंद डिब्बे या पैकेट में रखें। इसबगोल आसानी से नमी सोख लेता है। इसलिए इसे पानी, भाप या नमी वाली जगह से दूर रखें।

भारत की टी-20 में न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ी हार,260 चेज कर रही टीम 87 रन से हारी, डफी ने 4 विकेट झटके

स्पोर्ट डेस्क। टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ 87 रन की हार झेलनी पड़ी है। यह टी-20 में कीवियों के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी हार है। पिछला रिकॉर्ड 80 रन का था। जो 2019 में वेलिंग्टन में बना था। ऑकलैंड में शुक्रवार को 260 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 172 रन बना सकी।



टीम का कोई बल्लेबाज फिफ्टी नहीं लगा सका। तिलक वर्मा ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। जैकब डफी ने 4 विकेट झटके।इससे पहले न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को टी-20 में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। टीम ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 259 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने 49 बॉल पर 107 रन बनाए। माइकल ब्रेसवेल ने 25 बॉल पर 65 रन की पारी खेली। इंडिया सीरीज में 3-1 से आगे, आखिरी मैच 1 नवंबर कोः-इस हार के बावजूद टीम इंडिया 5 मैचों की सीरीज में 3-1 से आगे है। 5वां और आखिरी मुकाबला हेमिल्टन में एक नवंबर को खेला जाएगा। न्यूजीलैंड ने सीरीज में पहली जीत दर्ज की-नाथन स्मिथ के 20वें ओवर में भारत ने 9 रन बनाए। भारत की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 172 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड ने मुकाबला 87 रन से जीत लिया। प्रिंस यादव 17 गेंदों पर 18 और मयंक यादव 4 गेंदों पर 3 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की जीत में जैकब डफी ने 4 विकेट लिए, जबकि मिचेल सैंटनर ने भारतीय मिडिल ऑर्डर को झटके दिए। भारत ने पावरप्ले में ही 4 विकेट गंवा दिए थे। 19वें ओवर में तिलक वर्मा आउट-मैथ्यू फिशर ने 19वें ओवर की चौथी गेंद पर तिलक वर्मा को आउट कर दिया। तिलक ने लेंथ बॉल पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले से ठीक से कनेक्ट नहीं हो पाई। गेंद हवा में ऊपर उठी और लॉन्ग ऑन पर खड़े मैथ्यू फिशर ने आसान कैच पकड़ लिया। तिलक ने 26 गेंदों पर 35 रन बनाए। उनकी पारी में 2 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। तिलक ने 19वें ओवर की पहली गेंद पर लॉन्ग ऑफ के ऊपर से छक्का लगाया। इसके बाद वह अगली गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में आउट हो गए। फिशर ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। 18वें ओवर में भारत ने 6 रन-एडम मिल्ने के 18वें ओवर में भारत ने 6 रन बनाए। ओवर की चौथी गेंद पर तिलक वर्मा ने स्कूप शॉट खेलते हुए फाइन लेग के ऊपर से छक्का लगाया। हालांकि, ओवर की बाकी गेंदों पर वह कोई रन नहीं बना सके। तिलक वर्मा ने 17वें ओवर में छक्का लगाया-नाथन स्मिथ के 17वें ओवर की चौथी गेंद पर तिलक वर्मा ने छक्का जड़ा। स्मिथ ने फुलटॉस गेंद डाली। तिलक ने ऑफ स्टंप की ओर हटकर गेंद की रफ्तार का इस्तेमाल किया और उसे लॉन्ग लेग के ऊपर से बाउंड्री के पार पहुंचा दिया। फिशर ने प्रिंस यादव का कैच छोड़ा-मिचेल सैंटनर के 15वें ओवर की तीसरी गेंद पर प्रिंस यादव को जीवनदान मिला। सैंटनर ने गेंद को फ्लाइट दिया। प्रिंस ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर हवा में चली गई। स्क्वेयर लेग पर खड़े मैथ्यू फिशर गेंद के नीचे पहुंचे, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। न्यूजीलैंड ने सीरीज में 11 कैच छोड़े-न्यूजीलैंड की टीम इस सीरीज में अब तक 11 कैच छोड़ चुकी है। टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में यह उसका दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन है। इससे पहले इसी साल साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में न्यूजीलैंड ने 14 कैच छोड़े थे। 12वें ओवर में भारत ने लगातार 2 विकेट गंवाए, नमन धीर आउट-जैकब डफी ने 12वें ओवर की दूसरी गेंद पर नमन धीर को आउट कर दिया। नमन ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन दीप की पांचवीं गेंद पर नमन धीर ने छक्का लगाया। सैंटनर ने गेंद को थीमी गति से ऑफ स्टंप के बाहर फ्लाइट दिया। नमन ने कवर के ऊपर से शॉट खेला। दीप कवर पर बेवन जैकब्स ने कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथों से निकलकर बाउंड्री के पार चली गई। 10वें ओवर में नमन धीर ने बनाए 17 रन-मैथ्यू फिशर के 10वें ओवर में नमन धीर ने 17 रन बनाए। उन्होंने पहली गेंद पर कोई रन नहीं लिया। दूसरी गेंद पर 2 रन दौड़े। इसके बाद लगातार दो गेंदों पर चौके लगाए। पांचवीं गेंद पर मिड ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ा। आखिरी गेंद पर एक रन लेकर ओवर खत्म किया। अक्षर पटेल भी आउट, भारत ने गंवाया छठा विकेट-मिचेल सैंटनर ने आठवें ओवर की चौथी गेंद पर अक्षर पटेल को आउट कर दिया। सैंटनर ने गेंद को फ्लाइट देते हुए ऑफ स्टंप के बाहर रखा। अक्षर ने आगे बढ़कर ड्राइव खेला, लेकिन गेंद सीधे सैंटनर के पास चली गई। सैंटनर ने इस ओवर में अब तक 2 विकेट लिए हैं। आठवें ओवर की पहली गेंद पर नीतीश रेड्डी आउट-मिचेल सैंटनर ने गेंदबाजी पर आते ही पहली गेंद पर नीतीश कुमार रेड्डी को आउट कर दिया। सैंटनर ने शॉर्ट और ऑफ स्टंप के बाहर गेंद डाली। नीतीश ने हवा में तेज शॉट खेला, लेकिन शॉर्ट कवर पर माइकल ब्रेसवेल ने शानदार कैच पकड़ लिया। नीतीश 10 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 2 छक्के लगाए। यह सैंटनर का टी-20 इंटरनेशनल में 150वां विकेट है। नीतीश रेड्डी ने 2 छक्के लगाए-नाथन स्मिथ के सातवें ओवर में नीतिश रेड्डी ने 2 छक्के लगाए। ओवर की तीसरी गेंद पर उन्होंने लॉन्ग ऑन के ऊपर से शानदार छक्का जड़ा। इसके बाद स्मिथ ने बाउंसर डाली, जो नीतीशके सिर के ऊपर से निकल गई और अंपायर ने वाइड दे दी। श्रेयस अय्यर आउट-एडम मिल्ने ने छठे ओवर की तीसरी गेंद पर श्रेयस अय्यर को बोल्ड कर दिया। अय्यर ने इससे पहले ओवर की दूसरी गेंद पर चौका लगाया था। मिल्ने ने अगली गेंद फुल और अंदर की ओर आती हुई डाली। अय्यर ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे लेग स्टंप पर जा लगी। पांचवें ओवर में अभिषेक शर्मा आउट-मैथ्यू फिशर ने पांचवें ओवर में अभिषेक शर्मा को आउट कर दिया। अभिषेक ने ओवर की पहली गेंद पर छक्का और दूसरी गेंद पर चौका लगाया। अगली गेंद वाइड रही। इसके बाद फिशर की चौथी गेंद पर अभिषेक ने मिड ऑफ की ओर शॉट खेला, जहां मिचेल सैंटनर ने कैच पकड़ लिया। श्रेयस ने 2 चौके लगाए-न्यूजीलैंड के गेंदबाज नाथन स्मिथ ने चौथे ओवर में 12 रन दिए। श्रेयस अय्यर ने ओवर की पहली गेंद पर 2 रन लिए। अगली गेंद पर उन्हें चौका मिला। तीसरी गेंद पर अय्यर ने एक रन लेकर स्ट्राइक अभिषेक को दी। चौथी गेंद पर अभिषेक शॉट नहीं खेल सके। पांचवीं गेंद पर उन्होंने एक रन लिया। ओवर की आखिरी गेंद पर अय्यर ने चौका लगाकर ओवर खत्म किया। दूसरे ओवर में भारत ने बनाए 10 रन-एडम मिल्ने के दूसरे ओवर में भारत ने 10 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने ओवर की पहली दो गेंदों पर लगातार 2-2 रन लिए। तीसरी गेंद पर वह चूक गए। अगली गेंद पर उन्हें लेग बाई के रूप में एक रन मिला। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने पांचवीं गेंद पर एक रन लिया। अभिषेक ने आखिरी गेंद पर चौका लगाकर ओवर खत्म किया। पहले ही ओवर में भारत के 2 विकेट गिरे-जैकब डफी ने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर संजू सैमसन को आउट किया। सैमसन ने पहली गेंद पर चौका लगाया था। इसके बाद उन्होंने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर हवा में चली गई। टिम साइफर्ट ने कैच पकड़ा। सैमसन 2 गेंदों पर 4 रन बनाकर आउट हुए। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर डफी ने ईशान किशन को भी पवेलियन भेज दिया। ईशान बिना खाता खोले आउट हुए। उन्होंने गेंद को खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के निचले हिस्से से लगकर डफी के हाथों में चली गई। ग्लेन फिलिप्स 107 रन बनाकर आउट-20वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स 107 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नीतीश कुमार रेड्डी ने अभिषेक शर्मा के हाथों कैच कराया। प्रिंस यादव ने ब्रेसवेल को एलबीडब्लू किया-प्रिंस यादव ने 18वें ओवर में माइकल ब्रेसवेल को एलबीडब्लू आउट कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। ब्रेसवेल लैप शॉट खेलने के लिए नीचे झुके, लेकिन गेंद बल्ले से नहीं लगी और सीधे पैड पर जा लगी। उन्होंने रिव्यू लिया, लेकिन बॉल ट्रैकिंग में गेंद मिडिल और लेग स्टंप पर लगती दिखी। ब्रेसवेल 25 गेंदों पर 65 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 4 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। फिलिप्स ने लगातार 4 छक्के लगाए, न्यूजीलैंड के 200 रन पूरे-न्यूजीलैंड ने 16वें ओवर में 32 रन बनाए। नीतीश कुमार रेड्डी के ओवर में ग्लेन फिलिप्स ने लगातार 4 छक्के लगाए। उन्होंने ओवर की तीसरी, चौथी, पांचवीं और छठी गेंद पर छक्के जड़े। इससे पहले ओवर की दूसरी गेंद नो बॉल रही, जिस पर फिलिप्स ने चौका लगाया। अगली गेंद पर उन्होंने 2 रन लिए। इस ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने पहली गेंद पर एक रन लिया। फिलिप्स 42 गेंदों पर 90 रन बनाकर खेल रहे हैं, जबकि ब्रेसवेल 18 गेंदों पर 45 रन बना चुके हैं। 16 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर 206/4 है। फिलिप्स ने लगातार तीन छक्के मारे, न्यूजीलैंड 200 पार-16वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स ने नीतीश कुमार रेड्डी की बॉल पर लगातार चार छक्के लगाए। इसी के साथ न्यूजीलैंड का स्कोर 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया। नीतीश के इस ओवर से 32 रन आए। फिलिप्स और ब्रेसवेल में फिफ्टी पार्टनरशिप-14वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स और माइकल ब्रेसवेल ने 5वें विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी की। ब्रेसवेल ने अक्षर पटेल की शुरुआती 2 बॉल पर लगातार दो चौके लगाए। फिर एक छक्का मारा। उन्होंने चौथी बॉल पर भी चौका लगाया। न्यूजीलैंड का स्कोर 150 पार हुआ, नमन धीर से कैच छूटा-14वें ओवर में अक्षर पटेल ने 20 रन खर्च कर दिए। उनके इस ओवर में तीन चौके और एक छक्का लगा। इसी के साथ न्यूजीलैंड की टीम ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया। अक्षर की आखिरी बॉल पर नमन धीर से ग्लेन फिलिप्स का कैच ड्रॉप हो गया। ग्लेन फिलिप्स की फिफ्टी, प्रिंस की बॉल पर 2 छक्के लगे-12वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स ने फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने प्रिंस यादव की पहली बॉल पर दो रन लिए और अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद प्रिंस के इस ओवर में दो छक्के भी लगे। इस ओवर से 18 रन आए।





त्योहार आते ही बढ़ता डर और बेचैनी,बचपन का ट्रॉमा ट्रिगर हो जाता है, घर जाने का मन ही नहीं करता-खुशी कैसे महसूस करूं

नयी दिल्ली। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर। जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 28 साल का हूं और रांची में नौकरी करता हूं। बचपन में मेरे पिता शराब पीकर घर में झगड़ा करते थे। त्योहारों के समय त्योहार या खुशी का मौका दुख, तनाव और अनिश्चितता का समय रहा हो तो बड़े होने के बाद भी वो पुराना ट्रॉमा उभर सकता है। लेकिन इसका मतलब ये कतई नहीं है कि आप कमजोर हैं।

पीटीएसडी सेल्फ एसेसमेंट टेस्टः-खुद से पूछें ये 8 सवाल- आप जिस मनःस्थिति से गुजर रहे हैं, वह पीटीएसडी है या नहीं, इसे स्क्रीनिंग टेस्ट है। इसका इस्तेमाल यह पता लगाने के लिए किया जाता है कि किसी व्यक्ति में पीटीएसडी की आशंका है या नहीं। ये स्क्रीनिंग टेस्ट बीमारी की पुष्टि नहीं करता। अगर आपके जवाबों से पीटीएसडी की आशंका लगती है, तो मनोचिकित्सक विस्तार से बात करके स्थिति का आकलन करते हैं। यहां पर तीन तरह के लक्षणों पर खास ध्यान देने की जरूरत है-इंट्रूजन, पुरानी दर्दनाक घटनाओं की यादें बार-बार आना, बुरे सपने आना या ऐसा महसूस होना, जैसे वह घटना फिर से हो रही है। अवॉइडेंस-उन लोगों, जगहों, बातचीत या परिस्थितियों से बचना, जो पुरानी घटनाओं की याद दिलाते हैं। हाइटेंड थ्रेट- लगातार खतरा महसूस करना, जरूरत से ज्यादा सतर्क रहना या छोटी-छोटी आवाजों से भी चौंक जाना। सेल्फ हेल्प के टूल्स कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी से मदद आपके लिए कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी (सीबीटी) मददगार हो सकती हैं। यह एक तरह का मनोवैज्ञानिक टूल है, जिसमें आप अपने विचारों, भावनाओं और व्यवहार के बीच संबंध को समझना सीखते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि आपको पुरानी घटनाएं भूल जानी हैं या अपने डर को जबरन दबाना है। इसके बजाय, आप धीरे-धीरे यह समझना सीख सकते हैं कि अतीत में जो हुआ था और आज आपके सामने जो परिस्थितियां हैं, उनमें क्या फर्क है। इसके लिए आप ये कदम उठा सकते हैं- 1. अपने डर को समझें:-त्योहारों के बारे में सोचकर बेचैनी होने पर इन बातों पर ध्यान दें:- क्या हुआः दिवाली की छुट्टी मंजूर हुई और घर जाने का खयाल आया। मन में क्या विचार आयाः घर गया तो फिर वही झगड़े होंगे। कैसा महसूस हुआः डर, घबराहट या तनाव महसूस हुआ। आपने क्या कियाः टिकट कराने या घर जाने की योजना बनाने से बचने लगे। अब खुद से दो सवाल पूछें:- क्या मुझे आज किसी वास्तविक खतरे का डर है या बचपन की घटनाएं याद आने से बेचैनी हो रही है? क्या आज की परिस्थितियां वैसी ही हैं, जैसी बचपन में थीं? इन सवालों से अपने विचारों और भावनाओं को समझने में मदद मिल सकती है। भावनाओं को समझने के 5 स्टेप्सः- क्या हुआ- दिवाली पर घर जाना था।



घर गया- झगड़े होंगे। मन में विचार आया क्या महसूस हुआ.डर, घबराहट, तनाव। प्लान कैंसिल कर दिया।

आपने क्या कियाः-अब क्या करें गहरी सांस लें। ठहरकर अब आप सोचें। बच्चे नहीं हैं। अब आप एडल्ट हैं। आप खुद को प्रोटेक्ट कर सकते हैं।

2. अतीत और वर्तमान में फर्क करना सीखें:-जब घर जाने के बारे में सोचकर डर लगे, तो खुद को इन बातों की याद दिलाएं:-तब और अब में फर्क हैः बचपन में आप परिस्थितियों को बदल नहीं सकते थे, लेकिन आज अपने फैसले खुद ले सकते हैं।आपके पास विकल्प हैंः जरूरत पड़ने पर घर से वापस आ सकते हैं या कहीं और ठहर सकते हैं। मदद ले सकते हैंः किसी भरोसेमंद दोस्त या रिश्तेदार को अपनी परेशानी बता सकते हैं।अपनी सुविधा को प्राथमिकता देंः घर जाने, वहां रुकने की अवधि और वापस आने का फैसला अपनी जरूरत के अनुसार लें। खुद से कहेंः 'बचपन में मेरे पास विकल्प कम थे, लेकिन आज मैं अपनी सुरक्षा और सुविधा के अनुसार फैसले ले सकता हूं।' 3. डर से निपटने के लिए छोटे कदम उठाएंः- त्योहारों से जुड़ी चीजें परेशान करती हैं, तो एकदम से सबका सामना करने के बजाय धीरे-धीरे शुरुआत करें। पहला कदमः घर पर अपनी पसंद से त्योहार की सजावट करें या कोई पसंदीदा पकवान बनाएं। दूसरा कदमः परिवार से फोन पर बात करें और देखें कि आपको कैसा महसूस होता है। तीसरा कदमः सहज महसूस हो, तो परिवार से कुछ घंटों के लिए मिलने जाने पर विचार करें। हर कदम पर खुद को समय दें: अपनी भावनाओं पर ध्यान दें। बेचैनी बढ़े, तो थोड़ा रुकें और जरूरत के अनुसार आगे बढ़ें। डर कम करने के 5 तरीके- अपने डर को लिखें और समझें। छोटे कदमों से शुरुआत करें। अतीत और वर्तमान में फर्क करें। दोस्तों के साथ नई यादें बनाएं। अपनी सुविधा से त्योहार मनाएं। 4. त्योहारों से जुड़ी नई यादें बनाएंः- हो सकता है कि बचपन में त्योहार आपके लिए तनाव का समय रहे हों। लेकिन अब आप अपनी पसंद से इन्हें मनाने के तरीके चुन सकते हैं, जैसेकि-दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं। अपनी पसंद का खाना बना सकते हैं। घूमने जा सकते हैं। हर त्योहार परिवार के साथ मनाना जरूरी नहीं। 5. नींद और दिनचर्या का ध्यान रखेंः- आपने बताया कि त्योहारों के नजदीक आते ही आपकी नींद खराब होने लगती है। इस बदलाव पर ध्यान देना जरूरी है। इसलिए-सोने-जागने का समय नियमित रखें। सोने से पहले तनाव बढ़ाने वाली बातचीत न करें। देर रात तक मोबाइल चलाने से बचें। अगर नींद लगातार खराब हो तो इसे सिर्फ फेस्टिव ब्लूज समझकर इग्नोर न करें। क्या त्योहार मनाने के लिए घर जाना जरूरी है? नहीं। आपको हर हाल में घर जाकर दिवाली मनाने की जरूरत नहीं है। असल बात यह है कि आप फैसला डर या अपराधबोध से नहीं, बल्कि अपनी इच्छा, पसंद और मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार करें। सेल्फ हेल्प की ग्राउंडिंग टेक्नीकः- जब भी किसी बात से बहुत ज्यादा घबराहट हो तो ग्राउंडिंग टेक्नीक अपनाएं। इससे बेचैनी के समय अपने आसपास की चीजों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है। ग्राउंडिंग टेक्नीक के 5 स्टेप्सः-स्वाद महसूस करें। खुशबुएं पहचानें। आवाजें ध्यान से सुनें। चीजें छूकर महसूस करें। चीजें देखें। प्रोफेशनल हेल्प कब जरूरी? अगर पुरानी घटनाओं की यादें बार-बार परेशान कर रही हैं, बुरे सपने आते हैं, घर जाने के खयाल से घबराहट होती है या नींद और मनोदशा लगातार खराब रहती है, तो विशेषज्ञ से सलाह लें।प्रोफेशनल हेल्प कब जरूरी? बुरे सपने आएं, नींद खराब हो। पुराना ट्रॉमा बार-बार ट्रिगर हो। घर जाने के ख्याल से पैनिक अटैक हो।काम और रिश्तों पर असर पड़ने लगे। तनाव दूर करने के लिए नशे का सहारा लें। खुद को नुकसान पहुंचाने के विचार आएं। अंतिम बातः-आखिर में, मैं आपसे यही कहना चाहूंगा कि बचपन के अनुभवों का असर लंबे समय तक रह सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आपको हमेशा उसी डर के साथ जीना होगा। सही उपचार और सहयोग से आप अपनी भावनाओं को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और बेहतर महसूस कर सकते हैं। हमारा मकसद अतीत को मिटाना नहीं, बल्कि यह सीखना है कि आज की जिंदगी को उसके असर से कैसे मुक्त रखा जाए और कैसे बेहतर जिंदगी जी जाए।



यह सब और बढ़ जाता था। कभी मां रोती तो कभी रिश्तेदारों के सामने परिवार की बेइज्जती होती। अब मैं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हूं और घर से दूर रहता हूं। इसके बावजूद दशहरा या दिवाली आते ही मेरी नींद खराब होने लगती है। ऑफिस में छुट्टी मंजूर होने के बाद भी घर जाने का मन नहीं करता। घर जाने की कल्पना से ही पुरानी घटनाएं याद आने लगती हैं। क्या बचपन के बुरे अनुभव कई साल बाद भी त्योहारों के दौरान बेचैनी पैदा कर सकते हैं? मैं इस स्थिति को कैसे संभालूं? सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। यह बात सही है कि बचपन के बुरे अनुभवों का असर कई साल बाद भी दिखाई दे सकता है। आपके मामले में यह समझना जरूरी है कि त्योहारों के नजदीक आते ही आपकी बेचैनी क्यों बढ़ने लगती है। आपने बचपन में घर के भीतर झगड़े, मां का रोना और रिश्तेदारों के सामने अपमान जैसी परिस्थितियां देखी हैं। ऐसे अनुभव किसी बच्चे के मन में डर, असुरक्षा और बेबसी की भावना पैदा कर सकते हैं। बचपन में त्योहार आपके लिए खुशी के बजाय तनाव और अनिश्चितता का समय रहे होंगे। अब जब दशहरा या दिवाली आती है, तो घर जाने की तैयारी, छुट्टियां या पुरानी यादें अनजाने में वही डर जगा सकती हैं। भले ही आज आप आत्मनिर्भर हैं और अपनी जिंदगी के फैसले खुद ले सकते हैं, लेकिन पुरानी घटनाओं से जुड़ी भावनाएं फिर भी उभर सकती हैं। ट्रॉमा ट्रिगर होने के संभावित कारणः- असुरक्षित बचपन। बचपन में हुई हिंसा। असुरक्षा और स्ट्रेस की यादें। घर में डर और तनाव। त्योहार से जुड़ी ट्रॉमा मेमोरी। खुशी की बातें याद न आना।

क्या ये पीटीएसडी है? आपको कई बार ऐसा महसूस हो सकता है कि कुछ बुरा होने वाला है, जबकि मौजूदा परिस्थितियां बचपन से बिल्कुल अलग हैं।

यह आपके पुराने अनुभवों का असर हो सकता है। इसका मतलब यह नहीं कि आप कमजोर हैं या इतने साल बाद भी अतीत से बाहर नहीं निकल पाए हैं। आपके लक्षणों को देखते हुए पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) या ट्रॉमा से जुड़ी किसी दूसरी परेशानी की संभावना पर विचार किया जा सकता है।

लेकिन यहां ये समझना जरूरी है कि सिर्फ इन लक्षणों के आधार पर पीटीएसडी डायग्नोस नहीं किया जा सकता। इसके लिए यह समझना जरूरी है कि पुरानी घटनाएं आपको किस तरह प्रभावित कर रही हैं और आपकी नींद, कामकाज और रोजमर्रा की जिंदगी पर उसका कितना असर पड़ रहा है।

अगर किसी बच्चे के लिए समझने के लिए आप एक सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट कर सकते हैं। अपने पिछले एक महीने के अनुभवों पर गौर करें और नीचे दिए सवालों का हां या ना में जवाब दें। यह देखने कि कोशिश करें कि खासकर त्योहारों के आसपास आपकी भावनाओं, नींद और व्यवहार में क्या बदलाव होते हैं। पीटीएसडी सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट के सवालः-1. क्या बचपन की बुरी घटनाएं बार-बार याद आती हैं, जबकि आप उन्हें याद नहीं करना चाहते? क्या उनसे जुड़े बुरे सपने आते हैं? 2. क्या आप उन बातों, लोगों या जगहों से बचने लगते हैं, जो आपको पुराने अनुभव याद दिलाते हैं? 3. क्या घर जाने या त्योहार मनाने के बारे में सोचते ही घबराहट होती है, दिल की धड़कन बढ़ती है या शरीर में तनाव महसूस होता है?

4. क्या आप हमेशा सतर्क रहते हैं, जैसे कभी भी कुछ बुरा हो सकता है?

5. क्या आपकी नींद खराब रहती है या अचानक कोई आवाज सुनकर आप बहुत ज्यादा चौंक जाते हैं?

6. क्या परिवार या अपने अतीत के बारे में सोचकर गुस्सा, शर्म या खुद को दोष देने की भावना आती है?

7. क्या त्योहारों के नजदीक आते ही आपका मन उदास या बेचैन रहने लगता है?

8. क्या इन परेशानियों के कारण आप घर जाना टालते हैं, छुट्टियों के कार्यक्रम बदलते हैं या लोगों से मिलना-जुलना कम कर देते हैं? इन सवालों के जवाबों को कैसे समझें? पहले 5 सवालों के जवाब पीटीएसडी के संभावित लक्षणों को समझने में मदद करते हैं। पीसी-पीटीएसडी-5 एक मान्य

——मूवी रिव्यू——
'झाड़ फूंक':एक खंडहरनुमा तहखाना, गायब प्रेमी आखिर किस सच से सामना करेगी आस्था?

मुंबई। कभी कभी डर किसी अंधेरे कमरे में नहीं, बल्कि उन सवालों में छिपा होता है, जिनके जवाब हमारे पास नहीं होते। जब जिंदगी, रिश्ते और अनजाना खौफ एक ही मोड़ पर आकर खड़े हो जाएं, तो सच तक पहुंचना आसान नहीं होता। फिल्म 'झाड़ फूंक' की कहानी भी ऐसे ही रहस्यों के बीच आगे बढ़ती है, जहां हर नया सवाल अपने साथ एक अनजाना डर लेकर आता है। फिल्म की कहानीः-आस्था (सुम्बुल तौकीर खान) प्रेग्नेंट है और राजवीर (हर्ष राजपूत) के साथ उत्तराखंड से दिल्ली की ओर सफर कर रही है। आस्था चाहती है कि राजवीर उससे शादी कर ले, लेकिन रास्ते में हुए एक हादसे के बाद राजवीर अचानक गायब हो जाता है। इसके बाद आस्था ऐसी परिस्थितियों में पहुंच जाती है, जहां उसकी मुलाकात मोहन ठाकुर (यशपाल शर्मा) और कामिनी ठाकुर (पद्मिनी कोल्हापुरे) से होती है। एक खंडहरनुमा तहखाना, वहां का रहस्यमयी माहौल और मंजरी से जुड़ी घटनाएं उसके डर को बढ़ाने लगती हैं। धीरे धीरे इस जगह से जुड़े राज सामने आते हैं और आस्था ऐसे अनुभवों से गुजरती है, जो उसके लिए सब कुछ बदल देते हैं। इन घटनाओं के पीछे क्या है, यही फिल्म के सस्पेंस का अहम हिस्सा है।फिल्म का डायरेक्शन, स्टोरी और स्क्रीनप्लेः-निर्देशक राजन रामगोपाल वर्मा की फिल्म का कॉन्सेप्ट दिलचस्प है। एक गर्भवती महिला, अचानक गायब हुआ प्रेमी और रहस्यमयी तहखाने का माहौल कहानी को रोमांचक बना सकता था। फिल्म के प्रीक्लाइमैक्स में सस्पेंस पैदा होता है और कुछ देर के लिए कहानी दर्शकों को बांधने में सफल रहती है। हालांकि, फिल्म की रफ्तार कई जगह धीमी पड़ जाती है। कुछ सीन जरूरत से ज्यादा लंबे लगते हैं, जबकि कई घटनाओं के बीच जुड़ाव साफ नजर नहीं आता। कहानी जिस सवाल के साथ शुरू होती है, वह बीच में अपनी अहमियत खोने लगता है। इससे मुख्य कहानी का प्रभाव कम होता है और दर्शकों की उत्सुकता भी कमजोर पड़ सकती है। हॉरर के साथ आस्था और अंधविश्वास का पहलू जोड़ा गया है, लेकिन डर पैदा करने वाले सीन हर बार असर नहीं छोड़ते। कई जगह माहौल बनाने की कोशिश दिखती है, मगर वह प्रभावशाली डर में नहीं बदल पाती। स्क्रीनप्ले ज्यादा कसा हुआ होता और गैरजरूरी दृश्यों को छोटा किया जाता, तो फिल्म का असर बेहतर हो सकता था। कहानी में मौजूद संभावनाओं को पूरी तरह पर्दे पर उतारने के लिए निर्देशन और तकनीकी प्रस्तुति में और कसावट की जरूरत महसूस होती है। फिल्म में एक्टिंगः-यशपाल शर्मा अपने अनुभव के साथ किरदार में गंभीरता लाते हैं। पद्मिनी कोल्हापुरे भी रहस्यमयी माहौल के अनुरूप अभिनय करती हैं। सुम्बुल तौकीर खान आस्था के डर और परेशानी को पर्दे पर उतारने की कोशिश करती हैं, जबकि हर्ष राजपूत की भूमिका कहानी की शुरुआती कड़ी में अहम है। हालांकि, कमजोर लेखन के कारण कलाकारों को अपने किरदारों के जरिए पूरी छाप छोड़ने का मौका नहीं मिल पाता।

हॉलीवुड एक्टर पैट्रिक स्टीवर्ट का निधन,'एक्स-मेन' फ्रेंचाइजी में बने थे प्रोफेसर एक्स

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज था नाम; नाइटहुड सम्मान भी मिला था

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड एक्टर सर पैट्रिक स्टीवर्ट का बुधवार को लॉस एंजिल्स में 86 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 'एक्स-मेन ' और 'स्टार ट्रेक' फ्रेंचाइजी में काम किया था। एक्टर के सोशल मीडिया अकाउंट पर जारी बयान के मुताबिक, उन्होंने घर पर आखिरी सांस ली। वह अल्जाइमर रोग और लेवी बॉडी डिमेंशिया से जूझ रहे थे। उस समय उनकी पत्नी सनी उनके साथ थीं। उनके निधन के बाद ह्यू जैकमैन, विलियम शैटनर, मार्वल स्टूडियोज और कई सह-कलाकारों ने सोशल मीडिया पर उन्हें याद करते हुए दुख जताया। पैट्रिक स्टीवर्ट ने 60 साल से ज्यादा समय तक थिएटर, टीवी और फिल्मों में काम किया। उन्होंने 1966 में रॉयल शेक्सपियर कंपनी से जुड़कर थिएटर में अपनी पहचान बनाई। उन्हें साइंस-फिक्शन सीरीज 'स्टार ट्रेकः द नेक्स्ट जेनरेशन' में कैप्टन जीन-ल्यूक पिकार्ड के किरदार से दुनियाभर में पहचान मिली। इसके अलावा, उन्होंने 'एक्स-मेन ' फिल्मों में प्रोफेसर चार्ल्स जेवियर यानी प्रोफेसर एक्स का किरदार निभाया। वह 'ड्यून', 'एक्सकैलिबर' और 'ग्रीन रूम' जैसी फिल्मों में भी नजर आए। पैट्रिक स्टीवर्ट ने अपनी जिंदगी में तीन शादियां की थीं। उनकी पहली शादी 1966 में शीला फाल्कनर से हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं। बेटे का नाम डैनियल वेंडी न्यूस से शादी की, लेकिन 2003 में दोनों अलग हो गए। सितंबर 2013 में उन्होंने अमेरिकी सिंगर और सॉन्गराइटर सनी ओजेल से तीसरी शादी की। पैट्रिक के चार पोते-पोतियां भी हैं। पैट्रिक स्टीवर्ट को मिला था नाइटहुड सम्मान पैट्रिक स्टीवर्ट को उनके शानदार अभिनय के लिए कई सम्मान मिले थे। इनमें ब्रिटेन का प्रतिष्ठित नाइटहुड सम्मान भी शामिल था। थिएटर में उनके बेहतरीन काम के लिए उन्हें दो प्रतिष्ठित लॉरेंस ओलिवियर अवॉर्ड मिले। वहीं, उन्होंने बेस्ट स्पोकन वर्ड एल्बम की कैटेगरी में एक ग्रैमी अवॉर्ड भी जीता।इसके अलावा, वह अपने करियर में चार एमी अवॉर्ड, तीन गोल्डन ग्लोब और एक टोनी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट हुए। पैट्रिक स्टीवर्ट का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्जः-पैट्रिक स्टीवर्ट के नाम लाइव-एक्शन मार्वल किरदार निभाने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 2000 में आई फिल्म 'एक्स-मेन' में पहली बार प्रोफेसर चार्ल्स जेवियर यानी प्रोफेसर एक्स का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने 2022 में आई फिल्म 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' में भी यह भूमिका निभाई। इस तरह उन्होंने 21 साल और 296 दिनों तक एक ही मार्वल किरदार निभाया। इसी लंबे सफर के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उनका नाम दर्ज किया गया। 'एवेंजर्सः डूम्सडे' होगी आखिरी फिल्म पैट्रिक स्टीवर्ट फिल्म 'एवेंजर्सः डूम्सडे' में नजर आएंगे। यह पर्दे पर उनकी आखिरी फिल्म होगी। मार्वल स्टूडियोज ने कहा, 'सर पैट्रिक ने प्रोफेसर चार्ल्स जेवियर को असाधारण गरिमा, समझदारी और इंसानियत के साथ जीवंत किया। 'एक्स-मेन' से 'लोगान' और 'एवेंजर्सः डूम्सडे' तक, उन्होंने इस किरदार को कई पीढ़ियों के प्रशंसकों के लिए यादगार बना दिया।' ह्यू जैकमैन ने कहा- मैंने उनसे बहुत कुछ सीखाः- 'एक्स-मेन' फ्रेंचाइजी में ह्यू जैकमैन ने पैट्रिक स्टीवर्ट के साथ काम किया था।







ह्यू ने पैट्रिक के साथ अपनी तस्वीरें शेयर कर लिखा, 'आज हमने स्टेज और स्क्रीन के महान कलाकारों में से एक को खो दिया। मेरी नजर में वे एक शानदार दोस्त और इंसान भी थे। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा।

पैट्रिक स्टीवर्ट, मैं आपको जिंदगीभर याद करूंगा।' विलियम शैटनर ने कहा- दिल टूट गयाः- पैट्रिक स्टीवर्ट ने 1994 की फिल्म 'स्टार ट्रेकः द नेक्स्ट जेनरेशन' में विलियम शैटनर के साथ काम किया था।

विलियम ने इमोशनल पोस्ट में कहा कि उनका दिल टूट गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पैट्रिक के साथ तस्वीर शेयर की। विलियम ने लिखाः-यह हफ्ता कितना दुखद रहा है। सर पैट्रिक स्टीवर्ट मेरे दोस्त, सहकर्मी और शानदार अभिनेता थे। स्टेज से लेकर एंटरप्राइज के ब्रिज तक, उन्होंने अपने हर काम में समझदारी, गरिमा और इंसानियत दिखाई। कैप्टन पिकार्ड हम सभी के बेहतर रूप का प्रतीक थे।

उन्हें निभाने वाले इंसान भी ऐसे ही थे। मैं उनके और उनके काम के लिए स्नेह और सम्मान से भरा था। मेरी संवेदनाएं सनी और उनके परिवार के साथ हैं। उनकी बहुत कमी खलेगी।' डैफने कीन ने पैट्रिक को दिग्गज बताया फिल्म 'लोगान' में पैट्रिक और ह्यू जैकमैन के साथ काम कर चुकी डैफने कीन ने भी एक लंबा नोट लिखा।

फिल्म में उन्होंने लॉरा यानी एक्स-23 का किरदार निभाया था। डैफने ने लिखा, 'मुझे आज पैट्रिक के निधन की खबर मिली। यह अजीब संयोग है, क्योंकि पिछली रात मैं उन्हें एक ईमेल लिख रही थी। मैंने काफी समय से उन्हें ईमेल नहीं किया था।

' उन्होंने लिखा, 'वे दयालु, सच्चे, मजाकिया, अलग, परवाह करने वाले और आकर्षक इंसान थे। मुझे उनके अंतहीन मजाक, दूसरों का ख्याल रखने की आदत और रंग-बिरंगे पढ़ने वाले चश्मे याद हैं।'

श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर रिलीज,विठाबाई के किरदार में छाईं श्रद्धा

मुंबई। श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर आज दोपहर रिलीज हुआ। फिल्म में श्रद्धा मशहूर लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में रणदीप हुड्डा, मोहम्मद जीशान अय्यूब और नाना पाटेकर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर महाराष्ट्र की लोककला तमाशा और लावणी की दुनिया दिखाता है। ट्रेलर में कला, संघर्ष और अपने सम्मान के लिए लड़ाई नजर आती है। श्रद्धा विठाबाई के किरदार में दमदार लग रही हैं। उनके डायलॉग भी असर छोड़ते हैं। एक जगह वह कहती हैं, 'देखते हैं क्या टूटता है, मेरा भरोसा या मेरा घमंड। मेरा भरोसा ही मेरा घमंड था रे। जब वो टूट गया ना, सब टूट गया।' मोहम्मद जीशान अय्यूब का अंदाज भी ध्यान खींचता है। उनके डायलॉग्स भी शानदार हैं। ट्रेलर में वह श्रद्धा कपूर के किरदार ईठा से कहते हैं, 'तुझसे तो नाच के मुकाबले में तकदीर भी नहीं जीत सकती, ईठा। बिना नाचे जाएगी क्या? देख, आसमान का मंडप है, चांद की लाइट है, हवाओं के स्पीकर हैं। कोई हो न हो, तेरा रिवाज तो है। तू ही कहती थी न कि पड़े-पड़े मरी तो बेचारी कहलाऊंगी।' इसके बाद ईठा कहती है, 'पर नाचते हुए मरी तो मिसाल बन जाऊंगी।' ट्रेलर की जान इसका संगीत है। अजय-अतुल का म्यूजिक कहानी के माहौल को और मजबूत बनाता है। नववारी साड़ी को लेकर श्रद्धा का डायलॉग भी खास है, वो कहती हैं, 'ये सिर्फ कपड़ा नहीं, अभिमान है।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड
पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।